Weather Report

अधिकतम तापमानः 32.0c
न्यूनतम तापमानः 21.0c
हवा गतिः 11 कि./घं.

जयपुर सूर्योदय समय
सुबहः 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्षः 11 अंकः 34 जयपुर, शनिवार, 06 जुलाई 2024 पृष्ठः8 मूल्यः ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

इंजीनियर राशिद और अमृतपाल ने सांसद पद की शपथ ली

दोनों पैरोल पर तिहाड़-डिब्रूगढ़ जेल से निकले, बारामूला और खडूर साहिब से चुनाव जीते हैं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस संसद में शपथ के बाद अमृतपाल को उसके परिवार से मुलाकात करवाएगी। इसके लिए उसके परिवार को सेफ हाउस में लाया जा रहा है। यहां खडूर साहिब सांसद एक घंटे तक परिवार से मिलेगा। लोकसभा महासचिव की ओर से तय किए सुरक्षाकर्मी वहां मौजूद रहेंगे। अमृतपाल को पैरोल की 10 शर्तों में परिवार से दिल्ली में मुलाकात की मंजूरी दी गई है। अमृतपाल सिंह के माता-पिता और चाचा दिल्ली पहुंच गए हैं। उन्हें अभी अमृतपाल से मिलने का समय नहीं बताया गया है। वहीं उसकी पत्नी किरणदीप कौर काफी समय से डिब्रूगढ़ में ही रुकी हुई है, वो दिल्ली नहीं पहुंचेगी। अमृतपाल सिंह 1 साल 2 महीने 12 दिन के बाद डिब्रूगढ जेल से बाहर आया है। उसे जेल से लाने से लेकर उसकी सुरक्षा, ठहरने और वापसि की जिम्मेदारी अमृतसर रूरल के एसएसपी सतिंदर सिंह को सौंपी गई है। एनआई ने इस मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक, लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन सहित कई लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। इस मामले में यासीन मलिक को दोषी ठहराया गया और 2022 में ट्रायल कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

इंजीनियर राशिद ने उमर अब्दुल्ला को हराया

राशिद ने जेल में रहते हुए बारामूला से निर्दलीय लोकसभा चुनाव लड़ा और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन को हराया है। ये जीत छोटी-मोटी नहीं, बल्कि घाटी की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। राशिद करीब 2 लाख वोट से जीते हैं। उन्हें 4.72 लाख वोट मिले। 2 जुलाई को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एनआईए की सहमति देने के बाद राशिद को शपथ लेने के लिए दो घंटे की पैरोल दी थी। इंजीनियर राशिद को 2016 में जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग के आरोप में यूएपीए के तहत अरेस्ट किया गया था। 2019 से वो तिहाड़ जेल में बंद हैं। राशिद का नाम कश्मीरी व्यवसायी जहूर वताली की जांच के दौरान सामने आया था, जिसे गऋ ने घाटी में आतंकवादी समूहों और अलगाववादियों को कथित तौर पर फंडिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अमृतपाल ने कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को हराया

अमृतपाल सिंह की पहचान खालिस्तानी लीडर के तौर पर है। उसने जेल में रहते हुए ही 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल ने खडूर साहिब सीट से निर्दलीय लोकसभा चुनाव लड़ा। उसने कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को 1,97,120 वोटों के अंतर से हराया। अमृतपाल के चुनाव लड़ने का एक मकसद ये भी था कि इस बहाने उसे पंजाब लाया जा सके। अमृतसर के अजनाला थाने पर 23 फरवरी, 2023 को हजारों की संख्या में लोगों ने हमला किया था। आरोप है कि अपने करीबी लवप्रीत सिंह तूफान की गिरफ्तारी के विरोध में अमृतपाल इस भीड़ को लीड कर रहा था। इस दौरान पुलिस और भीड़ के बीच हिंसक झड़प भी हुई। इस मामले के बाद से ही अमृतपाल फरार हो गया। दो महीने सर्च ऑपरेशन के बाद 23 अप्रैल को पुलिस और जांच एजेंसियों ने उसे मोगा जिले के रोड़े गांव से अरेस्ट कर लिया। उस पर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई। वो असम की डिब्रूगढ़ जेल में है। परिवार की मांग है कि अमृतपाल को असम से पंजाब की जेल में शिफ्ट किया जाए। लोकसभा के लिए आर्टिकल-99 और राज्यसभा के लिए आर्टिकल-188 ये तय करते हैं कि हर सांसद को पदभार संभालने से पहले शपथ लेना जरूरी है। सांसद जब तक शपथ नहीं लेता, तब तक सदन की किसी भी कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकता। शपथ लेने तक वो संसद सदस्य होने के अधिकारों का फायदा भी नहीं ले सकता।

राहुल गांधी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट्स से मिले

ट्रेन ड्रायवरों ने ज्यादा काम और कम आराम की शिकायत की, कल मजदूरों से मिले थे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने शुक्रवार (5 जुलाई) की दोपहर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर इंडियन रेलवे के लोको पायलट्स से मुलाकात की। राहुल ने लोको पायलट्स से उनके काम, उनकी परेशानियों के बारे में जाना। लोको पायलट्स ने ड्यूटी में कम आराम दिए जाने की शिकायत की और ज्यादा आराम दिए जाने की बात कही। इस पर राहुल ने लोको पायलट की मांग का समर्थन किया है। साथ ही उनको आश्वासन दिया कि वे लगातार रेलवे के निजीकरण और रेलवे में भर्ती की कमी का मुद्दा उठाते रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। कांग्रेस ने एक्स पर राहुल के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जाने की 4 तस्वीरें भी शेयर कीं। इसमें बताया कि राहुल ने पूरे भारत से आए करीब 50 लोको पायलटों से मुलाकात की। कांग्रेस ने कहा कि सूत्रों के मुताबिक लोको पायलट लंबी दूरी की ट्रेनें चलाते हैं। उन्हें घर से दूर रहना पड़ता है। अक्सर उन्हें पर्याप्त ब्रेक के बिना ड्यूटी पर लगाया जाता है। इससे लोको पायलट्स को बहुत तनाव होता है और एकाग्रता में कमी आती है जो दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। विशाखापट्टनम दुर्घटना की जांच रिपोर्ट में भी इंडियन रेलवे ने इस बात को स्वीकार किया है। लोको पायलट 46 घंटे का साप्ताहिक आराम

मांगते हैं, जिसका मतलब है कि शुक्रवार दोपहर को घर लौटने वाला ट्रेन चालक रविवार सुबह से पहले ड्यूटी पर वापस नहीं आएगा। रेलवे के मुताबिक, आरोप है कि रेलवे अधिनियम 1989 और अन्य नियमों में पहले से ही हर हफ्ते 30+16 घंटे आराम का नियम है। रेलवे इसका पालन नहीं कर रहा है। प्लेन के पायलटों को भी आमतौर पर इतना ही आराम मिलता है। कांग्रेस के मुताबिक, लोको पायलटों की मांग है कि लगातार दो रातों की ड्यूटी के बाद एक रात का आराम होना चाहिए। ट्रेनों में ड्राइवरों के लिए बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। लोको पायलटों की भर्ती रोक दी गई है। कम स्टाफ होने के कारण अन्य कर्मचारियों को ज्यादा काम करना पड़ रहा है। पार्टी सूत्रों ने दावा किया है कि पिछले 4 सालों में रेलवे भर्ती बोर्ड ने हजारों रिक्तियों के बावजूद एक भी लोको पायलट की भर्ती नहीं की है।

लुधियाना में निहंगों ने शिवसेना नेता को तलवार से काटा

दिनदहाड़े बीच सड़क पर गनमैन किनारे खड़ा रहा, 2 हमलावर गिरफ्तार, बाबा बुड्ढा दल से जुड़े हुए

■ संजीवनी टुडे

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में शुक्रवार दोपहर को शिवसेना टकसाली नेता एवं सुखदेव थापर के वंशज संदीप थापर पर सिविल अस्पताल के बाहर 3 निहंगों ने हमला कर दिया। निहंगों ने दिनदहाड़े बीच सड़क उनकी स्कूटी घेरकर उन पर तलवारों से वार किए। पुलिस ने फतेहगढ़ साहिब से 2 निहंगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस कमिश्नर कुलदीप चहल ने बताया कि एसएसपी फतेहगढ़ साहिब रवजोत ग्रेवाल की टीम ने इन्हें यूनिवर्सिटी के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी बाबा बुड्ढा दल से हैं। आरोपियों का सारा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। शिवसेना नेता की स्कूटी भी बरामद कर ली गई है। शिवसेना नेता के साथ मौजूद पुलिस के गनमैन के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। अगर वह भी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी जांच शुरू की जाएगी। हमले के वक्त गनमैन संदीप के साथ मौजूद था। उसके पास रिवॉल्वर थी, लेकिन निहंगों ने उसे छीन लिया। इसके बाद गनमैन बचाव करने की जगह किनारे हो गया। हमला करने के बाद निहंग संदीप की ही स्कूटी लेकर फरार हो गए। इसके बाद संदीप को सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां गंभीर हालत को देखते हुए

उन्हें सीएमसी में भर्ती कराया गया। वहीं इस घटना के बाद हिंदू नेता भड़क गए और सड़क जाम कर दी। इसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। माहौल तनावपूर्ण है। हिंदू नेताओं ने कल लुधियाना बंद का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आरोपी नहीं पकड़े नहीं गए तो पूरे पंजाब में प्रदर्शन करेंगे। वहीं इस घटना की केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कड़ी निंदा की। उन्होंने पुलिस को आरोपियों को पकड़ने की हिदायत दी। लुधियाना वेस्ट से इइध विधायक गुरप्रीत गोगी ने कहा कि जिसने भी हमारे शहर को आग लगाने की कोशिश की, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। मैं इस बारे में पुलिस कमिश्नर से बात करूंगा।

सिख धर्म किसी का विरोध नहीं करता

वारदात के बाद निहंगों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि जो भी हमारे धर्म, मर्यादा और शहीदों के खिलाफ बोलेगा, हम उसके साथ वैसा ही करेंगे जैसा हमने आज लुधियाना में किया। उन्होंने कहा कि हम जाति के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सिख धर्म किसी का विरोध नहीं करता है और न ही यह जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव करता है। उन्होंने कहा कि जीभ में हड्डी नहीं होती लेकिन हड्डी तुड़वा देती है।

पुल गिरने के मामले में 15 इंजीनियर सस्पेंड

2 को नोटिस, मातेश्वरी कंस्ट्रक्शन कंपनी ब्लैक लिस्टेड, अब पुल निर्माण निगम बनाएगा ब्रिज

■ संजीवनी टुडे

पटना। बिहार में बारिश के बीच लगातार ढह रहे पुल पर सरकार ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही के चलते 15 इंजीनियर्स को सस्पेंड कर दिया गया है। जिसमें जल संसाधन विभाग के 11 और ग्रामीण कार्य विभाग के 4 इंजीनियर शामिल हैं। साथ ही दो से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ग्रामीण विकास विभाग के आयुक्त चैतन्य प्रसाद ने बताया कि 9 पुल-पुलिया ध्वस्त हुए हैं। 6 पुराने और 3 निर्माणाधीन थे। जल संसाधन विभाग की ओर से साल 2023 में समाधान यात्रा के दौरान नदी उड़ाही की मांग की गई थी। पूछा गया है कि आखिर 15 जून के बाद ढलाई क्यों की गई। यह पुल 1.6 करोड़ रुपए से बनना है। अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। दीपक सिंह ने ग्रामीण कार्य के तीसरे पुल के बारे में बताया कि 26 जून को मधुबनी जिले में भूतही नदी पर पुल का गार्डर गिर गया था। असिस्टेंट इंजीनियर ने ठेकेदार को ढलाई करने से रोका था। फिर भी ठेकेदार ने काम किया। यह 3.21 करोड़ रुपए से बन रहा था। 1.61 करोड़ रुपए ठेकेदार को भुगतान किया गया था। इंजीनियर और ठेकेदार को शो-कॉज किया गया है। सरकार को यह नहीं पता कि बाकी पुल किस मद से बने हैं। जिलों से रिपोर्ट मंगाई जा रही है।

मिट्टी हटाने से गिरा गंडक नदी का पुल

मार्च 2025 तक गंडक नदी उड़ाही (गाद साफ करना) पूरा करना था। उड़ाही के दौरान पुल के नजदीक मिट्टी हटा दी गई। 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट मांगी गई थी। उड़ान दस्ते ने रिपोर्ट सौंप दी है। इंजीनियर्स ने इसकी निगरानी नहीं की। मातेश्वरी कंस्ट्रक्शन उड़ाही में लगी हुई थी। इस कंपनी को आगे काम नहीं दिया जाएगा। ब्लैक लिस्टेड से आगे की कार्रवाई होगी। अब नए पुल का निर्माण कार्य पुल निर्माण निगम कराएगा। ग्रामीण कार्य अपर मुख्य सचिव दीपक सिंह ने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग से बन रहे तीन पुल ध्वस्त हुए। 18 जून को अररिया में बकरा नदी पर निर्माणाधीन पुल गिरे। 7 करोड़ रुपए की लागत से यह पुल बने थे। संवेदक को 6.50 करोड़ रुपए भुगतान किया गया है। पिलर धंसने की वजह से निर्माणाधीन पुल ध्वस्त हो गए। टीम बनाकर जांच कराई गई। यह पुल प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से बनाई गई थी। केंद्र की टीम ने भी जांच की। दीपक सिंह ने बताया कि विभाग ने 6 इंजीनियर पर कार्रवाई की गई। 4 सस्पेंड किए गए। 2 पहले से सस्पेंड हैं। ठेकेदार को आगे काम नहीं दिया जाएगा। भुगतान पर रोक लगा दी गई है। डीपीआर बनाने वाली कंसलटेंट को भी आगे काम नहीं दिया जाएगा। ग्रामीण कार्य के दूसरा निर्माणधीन पुल पूर्वी चंपारण में 23 जून को गिरे। ठेकेदार ने एफआईआर दर्ज कराई है। विभाग ने संबंधित इंजीनियर को शो-कॉज किया गया है।

आफत की बारिश: असम में बाढ़ में अब तक 56 की मौत

■ संजीवनी टुडे

एमपी-राजस्थान सहित 17 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, कश्मीर में हीटवेव, 17 जुलाई तक स्कूल बंद

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बन गई है। असम में बाढ़ के चलते गुरुवार को 8 लोगों की मौत हुई, जिससे अब तक मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 56 हो गया है। 29 जिलों के 21.13 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क में आई बाढ़ में अब तक कुल 31 जानवरों की डूबने से मौत हो चुकी है, जबकि 82 जानवरों को बाढ़ से बचाया गया है। उत्तराखंड में गंगोत्री-गोमुख ट्रैक पर चिरबासा धारा में आई बाढ़ के चलते उस पर बना लकड़ी का पुल टूट गया। इस धारा में दिल्ली के दो कांवड़िए बह गए। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना गंगोत्री से लगभग नौ किलोमीटर दूर हुई। ग्लेशियर के पिघलने के कारण धारा का जलस्तर अचानक बढ़ गया था। आईएडी ने शुक्रवार के लिए 17 राज्यों- जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, उत्तरी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, गोवा में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 11 राज्यों- हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। एक तरफ जहां बाकी देश मानसूनी बारिश से सराबोर हो रहा है, वहीं गर्मियों में भी ठंडी रहने वाली कश्मीर घाटी इन दिनों तप रही है। श्रीनगर हो या गुलमर्ग, सोनमर्ग हो या फिर अमरनाथ यात्रा रूट, पहली बार पूरी घाटी लू की चपेट में है। पारा लगातार 32 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। श्रीनगर पहली बार बीते 7 दिन से 35 डिग्री से ज्यादा तापमान झेल रहा है। गुरुवार को यह 35.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से करीब 7 डिग्री ज्यादा है। इससे पहले 9 जुलाई 1999 को श्रीनगर में 37 डिग्री तापमान था। हीटवेव के चलते घाटी के स्कूलों में 17 जुलाई तक गर्मी की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

जयपुर में बीच सड़क पर हुआ 18 फीट गहरा गड्ढा

12 घंटे बाद भी ठीक नहीं हुआ, लोग बोले- 25 साल से यहां सिवरेज लाइन ठीक नहीं हुई

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर में मानसून ने नगर निगम प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 37 और 40 में बनी 80 फीट लिंक रोड पर शुक्रवार सुबह सड़क धंस गई। इससे 15 फीट चौड़ा और 18 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इसके बाद खातीपुरा से कालवाड़ रोड को जोड़ने वाली लिंक रोड पर आम लोगों की आवाजाही को बंद कर दिया गया है। 12 घंटे बाद भी शुक्रवार रात तक नगर निगम की टीम गड्ढे को भरकर ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने का काम पूरा नहीं कर पाई है। इसकी वजह से स्थानीय निवासियों को परेशान होना पड़ रहा है। दरअसल, बीती रात से लगातार हो रही बारिश के बाद शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे शिवपुरी ए कॉलोनी में 80 फीट लिंक रोड में गड्ढा हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने नगर निगम प्रशासन को इसकी जानकारी दी। इसके कुछ घंटे बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। गड्ढे को दुरुस्त करने के काम में जुटी। लेकिन रात तक भी नगर निगम की टीम सड़क के बीचों बीच हुए विशालकाय गड्ढे को भरने का काम पूरा नहीं कर पाई है।

सीवरेज लाइन लीक हुई थी

स्थानीय निवासी अंकित शर्मा ने बताया- 25 साल पुरानी सीवरेज लाइन लीक हुई थी। इसकी वजह से सड़क के बीचो - बीच विशालकाय गड्ढा हुआ है। सुबह से नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौका मुआयना कर गड्ढा भरने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब तक इसका समाधान नहीं हुआ है। क्योंकि पिछले 25 साल से इस सीवरेज लाइन को न तो सुधार गया, न ही इसकी कभी सफाई हुई। इसके बाद इस सीवरेज लाइन के जाम होने की वजह से गड्ढा हुआ है। अंकित शर्मा ने कहा- अब हम

यही मांग करते हैं कि बदल ड्रेनेज सिस्टम को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। ताकि भविष्य में इस तरह क्या हादसा ना हो। वार्ड नंबर 40 के पार्षद विजेंद्र पाल सिंह ने बताया- ड्रेनेज सिस्टम में लीकेज की वजह से गड्ढा हुआ है। सुबह से नगर निगम की टीम इस गड्ढे को दुरुस्त करने में जुटी हुई है। लेकिन फिलहाल सफलता नहीं मिली है। हम खुद भी मौके पर ही मौजूद है। जल्द से जल्द इस लीकेज को ढूंढ कर गड्ढे को ठीक किया जाएगा। ताकि फिर से लिंक रोड पर वाहनों का आवागमन शुरू हो सके। राजस्थान में मानसून की एंट्री हुए आज 11 दिन हो गए हैं। प्रदेश में मानसून छाया हुआ है, लेकिन अब भी पिछले वर्षों की तुलना में जुलाई में बारिश कम हुई है। आज भी राजस्थान के 29 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। सुबह से टोंक, सवाई माधोपुर सहित कई जिलों में हल्की से तेज बारिश हो रही है। इस कारण नदी-नाले उफान पर हैं और बाजारों में पानी भर गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-अपराधी पैदा नहीं होते, बनाए जाते हैं

हर संत का अतीत होता है और पापी का भविष्य, जाली नोटों की तस्करी मामले में टिप्पणी

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अपराधी पैदा नहीं होते, बल्कि बनाए जाते हैं। कोर्ट ने यह कमेंट 3 जुलाई को किया। मामले की सुनवाई जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने की। साल 2020 का ये मामला नकली नोटों की तस्करी से जुड़ा हुआ है। एनआईए ने फरवरी 2020 में मुंबई के अंधेरी इलाके से 2 हजार के 1193 नकली नोटों (इंडियन करेंसी) के साथ एक युवक को हिरासत में लिया था। एजेंसी ने दावा किया था कि इन नकली नोटों को तस्करी के जरिए पाकिस्तान से मुंबई लाया गया था। बीते 4 साल से युवक एनआईए की हिरासत में है। 5 फरवरी 2024 को उसने मुंबई हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद युवक ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि हर संत का अतीत होता है और पापी (अपराधी) का भविष्य होता है। जब कोई क्राइम होता है तो उसके पीछे कई कारण होते हैं। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि हर किसी में मानवीय क्षमता अच्छी होती है। इसलिए ये नहीं मानना चाहिए कि अभी जो अपराधी है, वे भविष्य में सुधर नहीं सकते। अक्सर अपराधियों, किशोर (टीनेजर) और वयस्क (युवा) के साथ व्यवहार करते समय मानवतावादी मूल सिद्धांत छूट जाते हैं। बेंच ने कहा कि जब कोई क्राइम होता है तो उसके पीछे कई कारण होते हैं। चाहे वो सामाजिक और आर्थिक हो, माता-पिता की उपेक्षा का परिणाम हो, अपनों की अनदेखी का कारण हो, विपरीत परिस्थितियों, गरीबी, संपन्नता के अभाव और लालच हो सकते हैं।बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता बीते 4 साल से हिरासत में है। हमें आश्चर्य है कि यह केस कब खत्म होगा। बेंच ने चिंता जताते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 21 अपराध की प्रकृति से परे लागू होता है।

अयोध्या राम मंदिर में 25 और मूर्तियां लगेंगी

शेषावतार, सप्तऋषि और तुलसीदास की मूर्ति शामिल, दिसंबर तक मंदिर निर्माण पूरा करने की कोशिश

■ संजीवनी टुडे

अयोध्या। अयोध्या के रामलला मंदिर में 25 और मूर्तियां लगेंगी। इसमें श्रीराम दरबार, सप्तऋषि, शेषावतार और कुछ अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां शामिल हैं। ये मूर्तियां फर्स्ट फ्लोर पर स्थापित की जाएंगी। रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की एक बड़ी मूर्ति भी लगाई जाएगी, हालांकि इसका स्थान अभी तय नहीं है। ये जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी। शुक्रवार को उन्होंने बताया- राम मंदिर 221 फीट ऊंचा होगा। मंदिर का मुख्य शिखर 161 फीट ऊंचा होगा। इस पर 50 मीटर ऊंचा ध्वज दंड लगेगा। यह दंड गुजरात से तीन महीने पहले अयोध्या लाया गया है। ट्रस्ट की कोशिश है कि राम मंदिर दिसंबर, 2024 तक बनकर तैयार हो जाए। साथ में पूरे मंदिर परिसर का निर्माण 2025 के अंत तक पूरा कर लिया जाए। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र ने बताया- राम मंदिर का निर्माण समय से और गुणवत्ता के साथ हो रहा है। इससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, हम इसका हमेशा ध्यान रखते हैं। रोज इसकी समीक्षा की जाती है।

मंदिर निर्माण में अब तक लगे तीन लाख घन फीट पत्थर

चंपत राय के अनुसार, राम मंदिर का निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। निर्माण में अब तक तीन लाख घन फीट पत्थर का इस्तेमाल हो चुका है। करीब सवा लाख घन फीट पत्थर अभी और लगेंगे। मंदिर निर्माण में बरसात से कितनी बाधा आ सकती है, निर्माण तेज करने के लिए कितने मजदूरों की जरूरत पड़ेगी? इस पर आज भवन निर्माण समिति की बैठक में मंथन हो रहा है। चंपत राय से सवाल पूछा गया कि रामलला के शेष दो मूर्तियां कहां स्थापित होंगी? जवाब में उन्होंने कहा- वो ट्रस्ट की संपत्ति है। इस पर जल्द ट्रस्ट के पदाधिकारी बैठक कर स्थान का निर्धारण कर

लेंगे। मीडिया को भी स्थान और समय की जानकारी दे दी जाएगी। रामलला की ये दो मूर्तियां वही हैं, जिनका निर्माण गर्भगृह के लिए किया गया था। हालांकि, सिलेक्शन नहीं हो सका था। कर्नाटक के मैसूर के रहने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज की बनाई प्रतिमा गर्भगृह में स्थापित है। राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर 90 फीसदी बन गया है। सेकेंड फ्लोर का काम भी 70 फीसदी पूरा हो चुका है। सेकेंड फ्लोर पर 74 स्तंभों में से 60 स्तंभ स्थापित किए जा चुके हैं। परिसर में 800 मीटर लंबा परकोटा भी बन रहा है। परकोटे में छह मंदिरों का भी निर्माण कार्य चल रहा है।

जिले में भारी वर्षा को देखते हुए जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर

जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने अधिकारियों को राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी रखने के निर्देश दिए

■ संजीवनी टुडे

टोंक। जिले में विगत 24 घंटे में भारी वर्षा के बीच जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर रहा। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने शुक्रवार को बचाव व राहत कार्यों की मॉनिटरिंग कर जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता अशोक कुमार जैन से छोटे-बड़े बांधों में हो रही पानी के आवक की स्थिति की जानकारी ली तथा उन्हें किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत देने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने टोंक शहर में तहसीलदार रामधन गुर्जर एवं अन्य कार्मिकों को शहर का निरीक्षण कर जल भराव एवं पानी की निकासी का त्वरित प्रबंध करने के निर्देश दिए। नगर परिषद द्वारा जल भराव क्षेत्रों में नालों की सफाई कर पानी की निकासी को दुरुस्त किया गया। तहसीलदार ने कुम्हारों की चौकी, काली पलटन, मोहम्मद खां की मस्जिद एवं मोती बाग का निरीक्षण कर पानी निकासी का जायजा लिया। मोती बाग में गिरने की स्थिति में कच्चे घर में रह रहे युवक शमशेर को नगर परिषद के आश्रय स्थल में रहने की समझाइश की गई। जिला कलेक्टर ने नमूकिया सहोदरा नदी में 3 युवकों के पानी में बीच फंसने की घटना पर तहसीलदार राहुल पारीक को मौके पर भेजकर तीनों युवकों पुलिस एवं ग्रामीणों के सहयोग से रेसक्यू कर जान बचाई। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी पीपलू कपिल शर्मा ने नानेर से जंवाली रपटा, दूढ़िया से कुरेड़ा रपटा, बिलायतीपुरा रपटे पर आमजन के आवागमन को रूकवाने के आदेश जारी

किए। उपखंड अधिकारी पीपलू ने तहसीलदार, विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत कार्मिकों को इलाके में जन व पशु हानि नहीं हो इसकी सुनिश्चिता करने के लिए निर्देशित किया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर से जिले में अत्यंत भारी वर्षा के रेड अलर्ट के तहत जिला कलेक्टर ने सभी जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए है। जिला प्रशासन ने छोटे-बड़े बांधों के ओवरफ्लों होने को लेकर जिले के कई गांवों को हाई अलर्ट पर रखा है। जिला कलेक्टर ने आमजन से अपील की है कि बारिश के दौरान वे अपने घरों में रहे। साथ ही, आवागमन करने से बचे। जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता अशोक कुमार जैन ने बताया कि सहोदरा बांध के ओवरफ्लों व नदी में बहाव अधिक होने के कारण ग्राम नानेर, इब्राहिमपुरा, जंवाली कुरेड़ी, दूढ़िया, देवरी, भावलपुर केरवालिया बांध के मंडा, भावलपुर, बालापुरा एवं हालोलाव कलमंडा बांध के ओवरफ्लों होने से कलमंडा, मंडा, बालापुरा, बाहेड़ा एवं महाराज कंवरपुरा की ओर जाने वाले आवागमन के रास्ते जल बहाव के कारण अवरूद्ध है। आमजन इन मार्गो पर जाने का प्रयास न करें। अधिशाषी अभियंता ने बताया कि टोरड़ी सागर बांध, चांदसेन एवं रामसागर (लांबाहरिसिंह), घारेड़ा सागर, ढीबरू सागर पूर्ण भराव की ओर है तथा इनके ओवरफ्लों होने की संभावना है। इसलिए आमजन ग्राम टोरड़ी, घाटी, कड़ीला, तिलांजू, अलियारी, देवलिया, डूंगरीखुर्द, केरलिया, भीपूर, दोला का खेड़ा, चबराना, गुटका, बुढ़ादेवल ढीबरू, लांबा जूनारदार, महादेवपुरा, इस्लामपुरा, लक्ष्मीपुरा, बरवास की ओर जाने वाले रास्तों पर नहीं जाएं। जिला प्रशासन ने किसी भी आपदा से निपटने के लिए जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम स्थापित किया है। जिसके दूरभाष नंबर 01432-245035 है।

खबरें फटाफट

मांगेलाल मीणा को बनाया मालाखेड़ा एसटी मंडल अध्यक्ष

■ संजीवनी टुडे

अलवर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी एवं भाजपा एस.टी. मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष नारायण लाल मीणा के निर्देशानुसार अनुसूचित जनजाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष विस्तार की नियुक्त किया जाता है ।नेहरू प्रसाद मीणा एसटी उपाध्यक्ष अलवर ने बताया कि जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं महेश मीणा एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष की सहमती के साथ अनुसूचित जन जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष की विस्तार की घोषणा के तहत मांगेलाल मीणा को मालाखेड़ा एसटी मंडल का अध्यक्ष बनाया जाता है।

101 पेड़ पौधे का किया रोपण, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

■ संजीवनी टुडे

चाकसू। उपखंड क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विधालय जाजूपुरा चन्दलाई नगर शिवदासपुरा मे शुक्रवार को पुस्तक वितरण और श्मशान घाट शिवदासपुरा और पाल वाले बालाजी महाराज के मन्दिर में 101 पेड पौधारोपण किया गया है । और वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञानचन्द मीणा अध्यक्ष भाजपा मंडल शिवदासपुरा के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विनोद मीणा,कजोड प्रजापत, चंचल जोशी, प्रहलाद शर्मा, मनीष जांगिड़,सुरज मीणा,रामधन मीणा,खुशीराम मीणा बरखेड़ा, शंकरलाल मांड्या शिवदासपुरा,सत्यनारायण प्रजापत, प्रकाश नागलपूरण आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे व स्कूल परिवार द्वारा जो मान सम्मान देने पर बहुत बहुत धन्यवाद व आभार व्यक्त किया गया है।

एबीवीपी का नगर सम्मेलन एवं शोभायात्रा 9 को

■ संजीवनी टुडे

भीनमाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 76वे स्थापना दिवस के उपलक्ष में विराट छात्र सम्मेलन एवम् भव्य शोभायात्रा आयोजित होनी तय हुई है। जिसमें शहर के विभिन्न महाविद्यालय एवं विद्यालयो के छात्र छात्राएं एवं प्राध्यापक भाग लेंगे।जिला संयोजक पंकज माली एंव नगर मंत्री उत्सव दवे ने बताया कि,की अभाविप के 76वे स्थापना दिवस के उपलक्ष में भव्य नगर सम्मेलन एवम् नगर में भव्य सोभायात्रा और खुला मंच का आयोजन तय हुआ है। जिसमें विभाग संगठन मंत्री पवन ऐचरा का आथित्य रहेगा, शहर के विभिन्न मार्गो से शोभायात्रा निकाली जाएगी तत्पश्चात शहर माघ चौक पर खुले मंच पर छात्र नेताओं द्वारा विभिन्न सम सामयिक एवं छात्रहितों के विषय पर विचार रखे जाएंगे।

स्कूली बच्चों को छायादार वृक्षों का वितरण किया गया

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। शुक्रवार को गांव श्रीचंद्पुरा में स्कूल के विधार्थियों को छायादार वृक्ष राजपुर -धमरेड मंडल उपाध्यक्ष कृष्ण अवतार शर्मा के द्वारा वितरित किए गये। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम 'के तहत भाजपा राजपुर -धमरेड मंडल के कार्यकर्ताओं ने प्रकृति संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने का प्रण लिया व इनकी देखभाल करने के लिए अपनी अपनी भूमिका निभाने में का प्रण लिया तथा मंडल के प्रत्येक बूथ पर पेड़ लगाने का राजपुर -धमरेड मंडल अध्यक्ष कमल किशोर सेठी की अगुवाई में संकल्प लिया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक रविवार को

■ संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर की एक आवश्यक बैठक को प्रातः 11 बजे होटल अनंता, रामगढ़ रोड, हनुमान चौराहे के पास, अलवर में आयोजित की जायेगी । कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया की जिला कांग्रेस कमेटी की इस आवश्यक बैठक में अलवर जिले की 11 विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस सहित राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, रामगढ़ विधायक जुबेर खान, पीसीसी महासचिव एवं अलवर के संगठन प्रभारी जसवंत गुर्जर, भरतपुर सांसद संजना जाटव, मुंडावर विधायक ललित यादव, किशनगढ़ विधायक दीपचंद खेरिया, राजगढ़-विधायक मांगेलाल मीणा, थानागाजी विधायक कांति मीणा, पूर्व मंत्री नवाब दुर्रूमियां, पूर्व मंत्री शकुन्तला रावत, पूर्व विधायक बलजीत यादव, पूर्व विधायक सफ़िया खान, पूर्व विधायक संदीप यादव, पूर्व विधायक कृष्ण मुरारी गंगावत, पूर्व विधायक राजेन्द्र गन्डुरा, कांग्रेस प्रत्याशी इमरान खान, संजय यादव, अजय अग्रवाल, पीसीसी पदाधिकारी व सदस्य, विधानसभा प्रभारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन, प्रधान, चेयरमैन, उप जिला प्रमुख, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, अग्रिम संगठनों के जिलाध्यक्ष, जिला पार्षद, समस्त मण्डल अध्यक्ष, नगर पार्षद एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

लालसोट एसडीएम ने मुक बधिर बच्चों के बीच मनाया अपना जन्मदिन

■ संजीवनी टुडे

रैणी। घढ़ीसवाईराम कस्बे में स्थित उत्कर्ष संस्थान में शुक्रवार को राष्ट्रीय जन सेवा टीम के संरक्षक लालसोट एसडीएम नरेंद्र कुमार मीणा ने अपना 43 वां जन्मदिन मुक बधिर बच्चों के साथ मना कर अपनी खुशियां साझा की । नरेंद्र कुमार मीणा की धर्मपत्नी सीमा सिर्रा ने बताया कि मेरे पति के जन्मदिन पर हर वर्ष कुछ खास किया जाता है । इस बार हमारे मन में मुंह बधिर बच्चों के साथ जन्मदिन मनाने का विचार आया । मुक बधिर बच्चों को हमारे द्वारा मिठाई फल आइसक्रीम खिलाई गई एवं उनके साथ ही केक काटा गया । बच्चों के साथ बिताए गए इस समय को हम हमेशा याद रखेंगे और समय-समय पर जो भी हमसे बन पड़ेगा बच्चों की हर संभव मदद करने का प्रयास करेंगे । संस्थान के निदेशक आरसी मीणा ने बताया कि एसडीएम नरेंद्र कुमार मीणा द्वारा बच्चों का हाल-चाल जाना एवं समय-समय पर बच्चों की मदद करने का आश्वासन भी दिया । इस अवसर पर एसडीएम साहब की धर्मपत्नी सीमा सिर्रा, बेटी आयुषी बमनावत, संस्थान के निदेशक आरसी मीणा, हजारीलाल झालटाला मास्टर आदि मौजूद थे।

गणिवर्य मुनि कमलप्रभ सागर का चातुर्मास प्रवेश कल होगा, नगर प्रवेश पर होंडिग व प्रवेश द्वार से सजा शहर

■ संजीवनी टुडे

बाड़मेर। स्थानीय साधना भवन मे 2024 अचलगच्छ संघ में चातुर्मास के प्रवेश के लिए गणिवर्य कमलप्रभसागर जी म.सा. का कल नगर प्रवेश महावीर सर्किल से होगा। गुरूभक्त संजय बोहरा धनाऊ ने बताया कि गुरु गुण कृपापात्र, मारवाड रत्न कच्छ कोहिनूर परम पूज्य गुरुदेव गणिवर्य कमल प्रभसागर जी म. सा. आदि ठाणा 03 का बाड़मेर की धन्य धरा पर गणिवर्य पदारोहण बाद प्रथम बार बाड़मेर आगमन पर होने वाले मंगल प्रवेश को भव्य ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हे। धनाऊ ने बताया कि पूज्य गणिवर्य पाली से उग्र विहार कर नाकोड़ा महातीर्थ होते हुए बाड़मेर के साधना भवन में ऐतिहासिक चातुर्मास हेतु प्रवेश करेंगे। संघ के कोषाध्यक्ष महेश सिंघवी ने बताया कि पूज्य गुरूदेव का भव्य प्रवेश स्वागत में सामैया के साथ नगर प्रवेश होगा व नगर

प्रवेश की शोभायात्रा महावीर स्वामी मंदिर गडरा सर्किल से होते हुए विद्यापीठ, करमु जी की गली, दरियागंज होती हुई साधना भवन पहुंचेगी जहां पर गुरु भगवंत के मुखारविंद से प्रवचन वह कई भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा कार्यक्रम में प्रदेश भर के अनेकों गुरूभक्त शिरकत करेंगे। थार नगरी बाड़मेर में स्वागत द्वारों, बैनरों, झण्डियों, जगह जगह होडिंग बोर्ड आदि से आकर्षक सजाया गया हैं। गणिवर्य के प्रवेश के शुभ अवसर पर देश भर से वह आस पास के क्षेत्रों सहित बाड़मेर, भीनमाल, मोरसीम, धोरीमन्ना, धुम्बड़िया, बालोतरा, बागोड़ा, जोधपुर, पाली, चौहटन, धनाऊ उदयपुर, अहमदाबाद, सुरत, नवसारी, मुंबई, भिवण्डी, मालेगांव आदि अनेक शहरो से सेकडो गुरूभक्त शिरकत करेगे।

नेशनल ऐथलेटिक गोल्ड मेडल विजेता कुमारी दीपिका पारीक का नागरिक अभिनंदन किया

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। ऐथलेटिक प्रतियोगिता 5000 मीटर दौड़ में नेशनल लेवल पर प्रथम स्थान (गोल्ड मेडल) प्राप्त करने पर राजगढ़ कस्बे की होनहार बालिका कुमारी दीपिका पारीक का श्री ब्राह्मण धर्मशाला में लायंन्स क्लब राजगढ़ के मुख्य संयोजन में शानदार नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक खेम सिंह आर्य ने बताया कि दिल्ली में 25 जून को आयोजित नेशनल ऐथलेटिक प्रतियोगिता 5000 मीटर दौड़ को 11 मिनट 25 सेकंड में पूर्ण कर राजगढ़ की होनहार बालिका कुमारी दीपिका पारीक ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। कार्यक्रम में लायंन्स क्लब, श्री ब्राह्मण समाज राजगढ़, भारत विकास परिषद, यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब, वैश्य महिला समिति, कला संगम राजगढ़ सहित विभिन्न संस्थाओं ने राजगढ़ की उभरती हुई प्रतिभा कुमारी दीपिका पारीक एवं उनके पिताजी दिनेश कुमार पारीक सहित सभी परिजनों का शानदार नागरिक अभिनंदन किया एवं माला, साफा, स्मृति चिन्ह एवं शाल उड़ा उढाकर हौसला अफजाई की। इस मौके पर लायंन्स क्लब अध्यक्ष प्रदीप महावर, सचिव भूपेंद्र शर्मा, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेश ठेकेदार, सचिव प्रदीप शर्मा, भारत विकास परिषद की अध्यक्ष पदमा गोयल, संरक्षक डॉक्टर के एम गुप्ता, रमेश करोल, किशोर मुखर्जी, लोकेश रावत, राहुल दीक्षित, पार्षद प्रीति शर्मा, रश्मि विजय, प्रीति विजय, अशोक पालीवाल, आजाद पारीक, मदन लाल शर्मा, एन.एल. वर्मा, मोहन बोहरा, जगमोहन शर्मा, सुरेश सेन, वीरेंद्र दाधीच, नंदलाल बैरवा, दिनेश शास्त्री सहित काफी संख्या में राजगढ़ क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों ने उपस्थित रहकर आशीर्वाद प्रदान किया।

गर्भगृह से बाहर आकर आज देंगे भगवान जगन्नाथ भक्तों को दर्शन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित जन जन के आराध्य देव श्री जगन्नाथ मंदिर में आज 6 जुलाई को भगवान जगन्नाथ गर्भगृह से बाहर आ कर भक्तों को दर्शन देंगे। 15 दिनों के गर्भगृह में रहने के पश्चात भगवान जगन्नाथ पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को भगवान जगन्नाथ गर्भगृह से बाहर आएंगे। इसी दिन भगवान जगन्नाथ का नेत्र उत्सव का कार्यक्रम आयोजित होगा। मंदिर के महन्त पूर्ण दास एवं पंडित मदन मोहन शास्त्री और पंडित रोहित शर्मा ने बताया कि प्रातः 9:15 बजे भगवान जगन्नाथ गर्भगृह से बाहर आएंगे और बाहर आने के पश्चात भगवान जगन्नाथ का नेत्र उत्सव का कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान भगवान जगन्नाथ की महाआरती का आयोजन होगा। आरती की पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके पश्चात सायंकाल 6:30 बजे माता जानकी की सवारी चौपड़ बाजार श्री जगदीश मंदिर से निकलकर मुख्य बाजार से होती हुई गंगा बाग मंदिर पहुंचेगी। जहां मंदिर मार्जन व गणेश पूजन का कार्यक्रम आयोजित होगा। 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 8:30 बजे मन्दिर से निकलेगी। उससे पूर्व मंदिर में 9 बजे भगवान जगन्नाथ को कंगन डोरा बांधा जाएगा। 9:30 बजे भगवान जगन्नाथ का दोज पूजन, 10 बजे भगवान जगन्नाथ के गोलक का पूजन और 10:15 बजे भगवान जगन्नाथ को हल्दी की रस्म अदा की जाएगी। सैकड़ों भक्त महिलाओं के द्वारा मंगल गीत के द्वारा भगवान जगन्नाथ को रिझाया जायेगा। इस मौके पर सभी मेला कमेटी सदस्य उपस्थित रहेंगे।

निदेशक अशोक गोरा ने अपने जन्मदिन पर विद्यार्थियों को बाघा बॉर्डर की सेरेमनी दिखाने की घोषणा की

■ संजीवनी टुडे

चौमूं। टारगेट एजुकेशन हब के निदेशक अशोक गोरा के जन्मदिन पर संस्थान परिसर में विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा जन्मदिन समारोह मनाया गया। समारोह में शिक्षक, जनप्रतिनिधि, समाज सेवी, विभिन्न सामाजिक संगठन के लोगो एवं गणमान्य लोगों द्वारा निदेशक अशोक गोरा को माला साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर तथा उपहार देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया गया। कार्यक्रम में चौमू थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा एवं बाघा बॉर्डर पर सेरेमनी करने में योगदान दे रहे हरि सिंह चौधरी ने भी शिरकत की और निदेशक अशोक गोरा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान निदेशक अशोक गोरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनको अपने लक्ष्य की ओर हमेशा आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने सभी लोगो से मिले प्यार, आशीर्वाद को लेकर आभार भी जताया। इस दौरान उन्होंने अपने जन्मदिन पर विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप बाघा बॉर्डर पर सेरेमनी दिखाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम मे विद्यालय शिक्षक गण, स्टाफ व विद्यार्थियों द्वारा निदेशक अशोक गोरा से केक कटवाकर एवं उपहार देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम मे खास बात यह रही कि विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी जिनका 5 जूलाई का जन्मदिन रहा, उनके साथ निदेशक अशोक गोरा ने मिलकर जन्मदिन मनाया।

अस्सिटेंट प्रोफ़ेसर के स्थानांतरण आदेश पर रेट ने लगाई रोक

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर (जनरल मेडिसिन) के पद पर कार्यरत डॉ महेश कुमार यादव के स्थानातंरण से जुड़ी अपील की राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (रेट) ने सुनवाई कर उसके स्थानांतरण आदेश एवं कार्यमुक्त करने के आदेश पर रोक लगा दी है तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रमुख शासन सचिव सहित दो अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामलें में अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थी एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के आदेश जारी कर मेडिकल कॉलेज अजमेर में स्थानांतरण कर दिया और 8 जून को उसे अजमेर में उपस्थिति देने के लिए कार्यमुक्त कर दिया। सुनवाई के दौरान दलीलें दी कि विभाग ने नियमों की अवहेलना कर प्रार्थी का स्थानांतरण किया है। जो अनुचित एवं विधि विरुद्ध है। इस पर अधिकरण की बेंच ने स्थानांतरण आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाकर प्रार्थी को राहत दी है।

जनाना अस्पताल कार्यरत असिस्टेंट प्रोफ़ेसर (रेडियोडायग्नोशिस) के स्थानांतरण आदेश पर अधिकरण ने लगाई रोक

जनाना अस्पताल जयपुर में कार्यरत डॉ पंकज निठारवाल के स्थानातंरण से जुड़ी अपील की राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (रेट) ने सुनवाई कर उसके स्थानांतरण

आदेश एवं कार्यमुक्त करने के आदेश पर रोक लगा दी है तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रमुख शासन सचिव, संयुक्त शासन सचिव सहित दो अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामलें में अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थी एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में सहायक आचार्य (रेडियोडायग्नोसिस) के पद पर कार्यरत है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त शासन सचिव ने आदेश जारी कर मेडिकल कॉलेज बीकानेर में स्थानांतरण कर दिया और आदेश की पालना में 8 जून को उसे मेडिकल कॉलेज बीकानेर में उपस्थिति देने के लिए कार्यमुक्त कर दिया। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता कलवानिया ने दलीलें दी कि विभाग ने प्रार्थी का नियमों की अवहेलना कर बिना प्रशासनिक आवश्यकता के स्थानांतरण किया है। जो अनुचित एवं विधि विरुद्ध है। इस पर अधिकरण की बेंच ने स्थानांतरण आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाकर प्रार्थी को राहत दी है।

भागवत कथा सुनने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग मिलता है: संत साईं राम महाराज

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। पंचायत समिति क्षेत्र में सकट क्षेत्र के गांव नारायणपुर में मुरली मनोहर चतुर्भुज जी महाराज मंदिर पर विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए ग्रामीणों के सहयोग से चल रहे नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ एवं भागवत कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए कथा वाचक संत साईं राम महाराज ने कहा कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग मिलता है। साथ ही आत्मज्ञान की प्राप्ति एवं जीवन जीने की राह मिलती है। उन्होंने कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं भागवत में कुंती महारानी की स्तुति,शौनक ऋषियों के छः प्रश्न, सूत गोस्वामी द्वारा उत्तर भक्ति की महिमा के साथ ही कथा से जुड़े कई प्रसंग सुनाए वही कथा के दौरान हरे रामा हरे कृष्णा नाम का संकीर्तन किया गया। कथा में

भजनों पर महिला श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। वही यहां चल रहे विष्णु महायज्ञ में यज्ञाचार्य पं रामबाबू शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यजमानों से यज्ञ वेदीयो में शुद्ध गाय के घी एवं हवन सामग्री की आहुतियां दिलवाई गई। भागवत कथा में रविवार को कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। विष्णु महायज्ञ एवं भागवत कथा का समापन पूर्णाहुति व भंडारे के साथ 10 जुलाई को होगा इसी दिन ब्रह्मलीन श्री यति महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ मनाई जाएगी।

मालपुरा में हुए बाढ़ जैसे हालात, आमजीवन हुआ अस्त व्यस्त

मानसून पूर्व पालिका प्रशासन व स्थानीय प्रशासन ने नहीं किए पुख्ता इंतजाम

■ संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। जिले के मालपुरा उपखंड क्षेत्र में गुरुवार देर रात से जारी भारी बारिश के दौर के चलते आमजन का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी भारी बारिश के कारण हालात बद से बदतर हो गए। मालपुरा शहरी क्षेत्रों में स्थित आवासीय कॉलोनियों में बारिश का पानी भर जाने से आमजन को भारी समस्या का सामना करना पड़ा। स्थानीय प्रशासन व पालिका प्रशासन द्वारा मानसून पूर्व की गई तैयारी की पहली बरसात में ही पोल खुल गई। पालिका प्रशासन के आपदा प्रबंधन के दावे केवल खोखले साबित हुए। राज्य सरकार द्वारा मानसून पूर्व की तैयारी करने व आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिए गए थे। लेकिन स्थानीय पालिका प्रशासन ने कोई ठोस इंतजाम नहीं किए। जिससे शहरवासियों को मुसीबत उठानी पड़ी। स्थानीय पालिका प्रशासन ने मानसून पूर्व बड़े नालों का सफाई कार्य करवाना और नालों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को तोड़े जाने की प्रभावी कार्रवाई नहीं करने से शहर में बाढ़ जैसे हालात हो गए।

शास्त्री नगर आवासीय कॉलोनी में घरों के अंदर बारिश का पानी घुस जाने से खाने पीने की चीजों के साथ साथ अन्य सामान खराब हो गया। शास्त्री नगर की अगर बात करे तो सड़कों पर तीन से चार फीट पानी भर गया। जिससे कॉलोनीवासियों को आवागमन में भी भारी समस्या उठानी पड़ी। शहर के व्यस्ततम बाजार नवीन मंडी, महावीर मार्ग, गांधी पार्क और बस स्टैंड बरसात के कारण लबालब हो गए। वही ट्रक स्टैंड क्षेत्र में स्थित सिंधी कॉलोनी, मीर कॉलोनी तालाब में तब्दील हो गई। लोगों ने स्थानीय प्रशासन व पालिका प्रशासन पर आरोप लगाया कि समय रहते स्थानीय प्रशासन व पालिका प्रशासन ने आपदा प्रबंधन को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पालिका प्रशासन ने न तो बड़े नालों की सफाई करवाई और न ही नालों पर हो रखे अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की। जिसके चलते आज शहर में बाढ़ जैसे हालतों से शहरवासियों को जूझना पड़ रहा है। वही भारी बारिश के चलते मालपुरा जीएसएस परिसर में पानी भर जाने व ट्रांसफार्मर और जंक्शन बॉक्स डूब जाने के कारण अलसवेरे से ही विद्युत सप्लाई का शट डाउन करना पड़ा। जलदाय विभाग व विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने बड़ी मशक्कत के बाद इंजन लगाकर पानी को परिसर से बाहर निकाला। और शाम तक विद्युत सप्लाई पुनः शुरू की गई। हालांकि विद्युत कटौती के कारण लोगों को समस्या उठानी पड़ी। वहीं ग्रामीण इलाकों में भी बरसात ने जमकर कहर बरपाया।उपखण्ड के चांदसेन गांव में बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए। किसानों के पशुओं सहित अन्य सामान पानी के तेज बहाव में बह गया। चांदेसन गांव में ही कच्चे मकान की दीवार ढह जाने से 9 बकरियों की मौत हो गई। वही डिग्गी थाना क्षेत्र के निमोकिया गांव के पास भारी बारिश के कारण सहोदरा नदी का बहाव तेज हो गया। बहाव में ट्रैक्टर ट्रोली सहित तीन ग्रामीण फंस गए। सूचना पर पहुंचे तहसीलदार राहुल पारीक व प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव वालों की मदद से रेसक्यू कर कड़ी मशक्कत के बाद बहाव में फंसे तीनों ग्रामीणों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। धौला खेड़ा गांव में स्थित तालाब की पाल टूटने से गाँव जलमग्न हो गया। गांव में चारों तरफ आवासीय बस्तियों में तीन से चार फीट बरसाती पानी भर गया। मालपुरा घाटी नागफनी बांध के टूट जाने से डूंगरी कलां, गूंजा, बागरियों की झोपड़ियां, व कलमन्डा गांवों में अलर्ट जारी किया गया। वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कलमन्डा एक बार फिर बारिश के कारण तालाब में तब्दील हो गया। राजकीय उच्च माध्यमिक चांदसेन व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अम्बापुरा में बारिश के चलते काफी नुकसान हुआ।

बारिश से 15 दिन में उखड़ी 30 लाख की सड़क: डामर रेत की तरह बिखरकर हाथ में आया, एक्सईएन बोले-भारी वाहन के चलने से उखड़ी

संजीवनी टुडे

सराड़ा।उदयपुर के ऋषभदेव में 15 दिन पहले हुआ सड़क डामरीकरण बारिश से बुरी तरह उखड़ गया। 30 लाख रुपए लागत से हुआ डामरीकरण रेती की तरह बिखरकर हाथ में आ गया। स्थानीय ग्रामीण डामरीकरण में घटिया सामग्री होने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं पीडब्ल्यूडी के अफसरों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है। मामला ऋषभदेव के तपाना गांव से घोड़ी गांव के बीच 3 किमी लंबी सड़क का है, जिसका करीब 15 दिन पहले ही डामरीकरण का काम पूरा हुआ था। खेरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी खेरवाड़ा ने टेंडर निकालकर डामरीकरण का

ठेका दिया था। ठेकेदार ने सड़क निर्माण का

कार्य लगभग दो सप्ताह पहले ही पूरा किया

था। तब से डामरीकरण की गुणवत्ता को लेकर लोग सवाल उठ रहे थे।

एक्सईन बोले-भारी वाहन संचालन से उखड़ी सड़क

मामले में पीडब्ल्यूडी एक्सईन नटवर कुमार से जब ठेकेदार की ओर से घटिया सामग्री उपयोग लिए जाने पर सवाल पूछा तो वे संतोषजनक जबाव नहीं दे पाए। एक्सईएन ने बताया कि भारी वाहन के संचालन की वजह से डामरीकरण उखड़ गया है। इसे लेकर ठेकेदार को पाबंद किया है, उसे ही यह डामरीकरण वापस करना होगा। टेंडर शर्त के अनुसार 3 साल तक ठेकेदार को ही सड़क की मरम्मत का काम करना है।

क्षतिग्रस्त और टूटी सड़क से लोगों का गुजरना मुश्किल

उखड़ी सड़क पर खड्डे बन गए हैं वहीं पूरी सड़क धंसती हुई दिखाई दे रही है। लोगों को यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि अधिकारियों की अनदेखी के चलते ठेकेदार ने लापरवाही की है, जिसकी वजह से सड़क का निर्माण 15 दिन से ज्यादा नहीं चल पाया।

गुणवत्ता से नहीं हुआ सड़क का डामरीकरण: सरपंच

स्थानीय सरपंच दिलीप कलासुआ ने बताया कि सड़क का डामरीकरण गुणवत्ता के साथ नहीं होने की वजह से और भारी वाहन चलने की वजह से सड़क जगह-जगह उखड़ गई है। विभाग को इस पर ध्यान देना चाहिए।

खबरें फटाफट

प्रजापति समाज प्रतिभा सम्मान समारोह 7 जुलाई रविवार को दरौली में

संजीवनी टुडे

भटेवर। मेवलिया प्रजापति समाज मेवाड़ चोखला का प्रतिभा सम्मान एवं नवीन कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह 7 जुलाई रविवार को ग्राम पंचायत दरौली स्थित श्रीया देवी मंदिर प्रांगण में आयोजित होगा। चोखला अध्यक्ष गणेश लाल प्रजापत घासा ने बताया कि समारोह में जिला प्रमुख ममता कुंवर पंवार,वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ,राष्ट्रीय कुम्हार महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोडी लाल सेंबारा एवं वागड़ मेवाड़ प्रजापति समाज संस्थान उदयपुर एवं बांसवाडा संभाग के अध्यक्ष डूंगर लाल प्रजापति, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भंवर सिंह पंवार और कई समाज के पदाधिकारी अतिथि होंगे। महामंत्री लक्ष्मी लाल प्रजापत सांगवा ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह की पूर्व तैयारीया पूर्ण कर ली है। संयुक्त महामंत्री डी सी प्रजापत बिठोली ने बताया कि समारोह में समाज की प्रतिभाओं और भामाशाहों का सम्मान किया जाएगा!

गौ माता के निधन बाद रुंडेड़ा में ग्रामीणों ने किया अंतिम संस्कार

संजीवनी टुडे

वल्लभनगर। अब तक आप सभी ने इंसानों की मौत के बाद अंतिम संस्कार और पगड़ी रस्म कार्यक्रम देखा होगा। लेकिन ऐसा ही उपखंड क्षेत्र के रुंडेड़ा में एक गाय के प्रति लोगों का प्रेम देखने को मिला, जहां गौ माता की मृत्यु के बाद उनके लिए अंतिम संस्कार की रस्म को पूरा किया। श्यामलाल जणवा ने बताया कि गौ माता की मृत्यु होने पर ग्रामीणों ने गौ माता का विधिवत पूजन कर और अंतिम संस्कार की सारी रस्मो को पूर्ण करते हुए गौ माता को दफनाया गया। गौ के लिए ऐसा प्रेम देखने के बाद अब इसकी चारों ओर चर्चा हो रही है। इस दौरान मांगीलाल जणवा, सूरज जोशी, हरीश मेनारिया, राजकुमार जणवा, रमेश जणवा, कमलेश जणवा, श्यामलाल जणवा, शिवलाल जणवा, रमेश मेनारिया, जमनेश मेनारिया, विजयलाल हरजोत, अजु, सुनील जणवा सहित अन्य मौजूद रहे।

लूट के मामले में फरार एक अभियुक्त गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

सराडा।टीडी पुलिस ने लूट के मामले में फरार एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया।टीडी थानाधिकारी फैलीराम मीणा व टीम द्वारा न्यायालय विशिष्ट अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेड पीसीपीएनडीटी एक्ट प्रकरण उदयपुर के प्रकरण संख्या 126/2019 धारा 392/34 भादस में स्थायी वारण्टी ललीत उर्फ लाला पिता नारायण मीणा निवासी बिलख फला किकावत थाना ऋषभदेव को गिरफ्तार किया।

नीलकंठ महादेव मंदिर पर अमावस्या को खुला भंडार

संजीवनी टुडे

नांदोली। निकटवर्ती ग्राम ढूंढिया नांदोली खुर्द में राणेरा की पाल पर स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में अमावस्या पर समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता में भंडार खोला गया।। नीलकंठ महादेव विकास समिति अध्यक्ष मांगीलाल चौबीसा ने बताया की अमावस्या पर भंडार खोला गया जिसमे 38671रू की राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर समिति के सदस्य एवम भक्तगण मौजुद रहे।।

स्व. पासवान की जयंती पर व्यक्तित्व व कृतित्व को किया याद

संजीवनी टुडे

उदयपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उदयपुर जिला इकाई ने शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राम विलास पासवान की 78वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष दिनेश हाड़ा ने बताया कि स्व. पासवान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किए गए दलित उत्थान के कार्यो की सराहना की गई। साथ ही, उदयपुर में भी दलित उत्थान के कार्य के लिए संकल्प लिया गया। इस अवसर पर राजेंद्र छाजेड, ललित माहेश्वरी, बाल मुकुंद असावरा, यौवंतराज माहेश्वरी, दीपक जैन, चेतन प्रकाश जैन, हरीश नवलखा, शांति लाल जैन, कैलाश माली आदि उपस्थित रहे।

बांसडा युवा ग्राम विकास समिति द्वारा हनुमान मंदिर से विद्यालय तक दोनो तरफ नाला बनाने को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

संजीवनी टुडे

बांसडा। युवा ग्राम विकास समिति बांसडा द्वारा शुक्रवार को उपखंड अधिकारी हुकुम कुंवर को ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में बताया की गांव बांसड़ा से स्कूल तक सड़क मार्ग के दोनों तरफ पानी की निकासी नहीं होने के कारण गांव की नालियां का पानी सड़क पर होकर निकलने से पूरी सड़क खराब होकर जगह-जगह खडड़े हो गए जिससे राहगिर आये दिन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं वहीं विद्यालय के बच्चो एवं ग्रामीणों को पैदल आने-जाने का मुख्य मार्ग भी यही होने से हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है इस हेतु कई बार ग्रामीणों द्वारा एवं जनप्रतिनिधि में प्रशासन से आग्रह किया था लेकिन समस्या का समाधान आज दिन तक नहीं हुआ। इस दौरान युवा ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष किशन व्यास, सचिव लक्ष्मी लाल मेनारिया ,केशियर तुलसी राम मेनारिया ,उपाध्यक्ष देवकिशन मेनारिया एवम रामेश्वर , देवराम , रमेश चोबिसा ,नंदलाल मेनारिया आदि उपस्थित थे, वही समिति के सदस्यों ने विधायक वल्लभनगर उदयलाल डांगी , विकास अधिकारी गुलाब गुर्जर से मिलकर गांव की ज्वलंत समस्या रखी जिसमे गांव मे नल लाईन डालने के दौरान तोडी गई रोड को सही करवाने तथा पांच दिन मे एक दिन पानी आने की समस्या एवम हरेंरे के खुर्रे से खेडली रोड तथा मुख्य समस्या हनुमानजी के मंदिर से स्कुल तक रोड पर आ रहे पानी की समस्या रखी जिस पर कुछ समस्या का निवारण चार पांच दिन मे ठीक करवाने का आश्वासन दिया ।

स्कूल बस हुई अनियंत्रित, सड़क किनारे उतरी: झल्लरा थाना क्षेत्र का मामला, बच्चों को उतारकर दूसरी बस में भेजा स्कूल

संजीवनी टुडे

सराड़ा।झल्लारा थाना क्षेत्र के भबराना गांव में शुक्रवार को बच्चों से सवार एक स्कूली बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्डे में जा पहुंची। बस में बैठे बच्चे भी अचानक घबरा गए। मौके पर ग्रामीण पहुंचे और आनन-फानन में बच्चों को बस से उतारकर दूसरी बस से स्कूल ले जाया गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। घटना स्थल से करीब 10 फीट आगे ही सड़क किनारे सोम नदी है अगर उस जगह बस अनियंत्रित होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी अनुसार यह बस पेसेफिक पब्लिक स्कूल की है जो सुबह भबराना से बच्चों को स्कूल लेकर जा रही थी। बस की स्पीड तेज थी और टर्न लेते वक्त अचानक बस सड़क किनारे उतर गई। जिसके बाद चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा। बस में बैठे बच्चे अपनी जगह से इधर-उधर खिसक गए। हालांकि हादसे में किसी भी बच्चे को चोट नहीं लगी।

आषाढ़ अमावस्या पर मेनार में ठाकुरजी को धराया छप्पन भोग, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

संजीवनी टुडे

श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, विभिन्न फ्लावर फूलो से ठाकुरजी का किया आकर्षक श्रृंगार

वल्लभनगर। आषाढ़ अमावस्या पर मेहतागढ़ मेनार के ओंकारेश्वर चौक स्थित प्रसिद्ध प्राचीन ठाकुरजी मन्दिर में शुक्रवार को ठाकुरजी के जयकारो के बीच ठाकुरजी को सामूहिक अनवरत छप्पन भोग मनोरथ का आयोजन हुआ। छप्पन भोग कार्यक्रम को लेकर ठाकुरजी का मुंबई से पिंक डिवाइन रोज, रेड डिवाइन रोज, सफ़ेद गुल दाऊदी, पर्पल गुल दाऊदी, यलो सन फ्लावर, पिंक सन फ्लावर, फूल पत्तियों, कुंदन हार व विभिन्न विदेशी किस्मो के फूलो सहित स्वर्णाभूषण से आकर्षक श्रृंगार किया गया। शुक्रवार सुबह पुजारी जगदीश वैष्णव द्वारा ठाकुरजी को पंचामृत स्नान कराया गया और स्वर्ण आभूषणों से सुशोभित ठाकुर जी को

नाथद्वारा की पिछवई, मंडफिया से लाई विशेष पोशाक धराई गयी। वही छप्पन भोग मनोरथ महोत्सव के दौरान दिनभर श्रद्धालुओं का मंदिर में तांता लगा रहा तथा ग्रामीणों द्वारा पूरे मंदिर को फूलों एवं दुधिया रोशनियों से सजाया गया। शाम 5 से 6 बजे तक ठाकुरजी को सूप, चटनी, सिखरन, शरबत, बालका, इक्षु, बटक, मठरी, फ़ेनी, पूडी, खजला, घेवर, मालपुआ, चोला, जलेबी, मेसू, रसगुल्ला, पगी हुई, महारायता, परिखा, सौंफ युक्त बिलसारू, लड्डू, साग, अधौना अचार, मोठ, खीर, दही सहित 56 तरह के व्यजनों से छप्पन भोग धराया गया। ठाकुरजी को छप्पन भोग धराने पश्चात महाआरती हुई, तत्पश्चात छप्पन भोग के श्रद्धालुओं ने दर्शन किये।

छप्पन भोग से पूर्व हुआ भजन कीर्तन

छप्पन भोग से पूर्व श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रांगण में भजन कीर्तन किया, जिसमें सांवरियो है सेठ, म्हारीं राधा जी सेठानी हैं, या तो जाने दुनिया सारी है, सांवरियो है सेठ, झुलनी पे सेठ सांवरो झुलवा ने जावे सा, बन्नो मारो चारभुजा रो नाथ बन्नी तो मारी तुलसा लाडली सहित भजनों पर श्रद्धालु खूब थिरके, महिलाओं भी खूब थिरकी। महाआरती उपरांत भक्तों ने भोग के दर्शन किये। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद रहे। वही आरती के बाद प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरण किया गया। इस अवसर पर मेनार सहित आसपास के रुंडेड़ा, वाना, इंटाली, बांसड़ा, खेरोदा के श्रद्धालु उपस्थित हुए।

लम्बित अनुसंधान शीघ्र पूर्ण कर पीड़ित को त्वरित न्याय मिले: आईजीपी अजयपाल लाम्बा

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री अजयपाल लाम्बा द्वारा शुक्रवार को पुलिस लाईन में अपराध गोष्ठी ली गई। जिसमें जिले के अपराधों की समीक्षा कर पेंडिग प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण करने हेतु दिशा- निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी एवं जिले के समस्त पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज, उदयपुर श्री अजयपाल लाम्बा द्वारा शुक्रवार को जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी ली। जिसमें उन्होंने अपराधो पर चर्चा कर सभी थानाधिकारियों को अपने-अपने थाना की पेंडेंसी पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार कम करने के निर्देश दिए। एक वर्ष से अधिक पेन्डिंग प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने, थाने के मालखाना को व्यवस्थित कर माल का रखरखाव व निस्तारण करने तथा थाने पर दर्ज प्रकरणों में तुरंत अनुसंधान कर पीड़ित को न्याय दिलवाने की बात कही। महिला अत्याचार, सम्पति संबंधी अपराधों, पोक्सों प्रकरण व अन्य अपराधों में शीघ्र कार्यवाही कर अतिशीघ्र निस्तारण हेतू निर्देश दिये गये। सभी थानाधिकारी को अपने अपने थाना क्षेत्र में अपराधियों के सोशल मीडिया ट्रेड्स पर आपराधिक गतिविधियां आदि पर सतत निगरानी हेतू दिशा निर्देश दिये गये। ग्राम रक्षक,

सीएलजी सदस्य एवं पुलिस मित्रों की सामुदायिक पुलिसिंग से संबंधित कार्यक्रम, अभियानों एवं कानून व्यवस्था के दौरान भागीदारी सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान आईजीपी श्री अजयपाल लाम्बा ने कहा कि 1 जुलाई 2024 को लागू हुए नये कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के कियान्वित पर एवं आमजन मे नये कानून के प्रचार प्रसार व जागरुकता पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके साथ-साथ थाना पर आने वाले परिवादियों के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा उनके द्वारा दी जाने वाली परिवादों पर तुरंत कार्यवाही करने की बात कही गई। गोष्ठी के दौरान एएसपी चित्तौड़गढ़ परबत सिंह, सिकाऊ मुकेश सांखला, रावतभाटा भगवत सिंह सहित जिले के समस्त वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर आईजी व एसपी ने पुलिस लाईन में वृक्षारोपण भी किया।

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के उदयपुर संभाग पदाधिकारी की बैठक संपन्न

संजीवनी टुडे

उदयपुर। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के उदयपुर संभाग पदाधिकारी की बैठक आज राज्य मुख्यालय उदयपुर में संपन्न हुई। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त प्रदीप मेघवाल की अध्यक्षता में राज्य मुख्यालय उदयपुर में उदयपुर संभाग के पदाधिकारी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड उदयपुर संभाग द्वारा गत वर्ष में आयोजित की गई गतिविधियों एवं शिविरों की समीक्षा करते हुए आगामी सत्र 2024 - 25 की योजनाओं के लिए चर्चा की गई एवं संभाग के सभी जिलों में जिला कार्यकारिणियों के गठन हेतु विचार विमर्श करते हुए प्रस्ताव लिया गया कि संभाग में समस्त जिलों की जिला कार्यकारिणियों का पुनर्गठन सुव्यवस्थित तरीके से किए जाए । रिक्त पदों पर योग्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपे ताकि संभाग के सभी जिलों में समस्त प्रकार के शिविरों एवं स्काउटिंग गतिविधियों को सुव्यवस्थित संचालित किया जा सके। संभाग जनसंपर्क आयुक्त गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया कि बैठक में जिला ऑर्गेनाइजर के माध्यम से कार्य योजना बनाने का प्रस्ताव लिया गया साथ ही संभाग कार्यकारिणी के गठन के लिए चर्चा करते हुए बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यों से विचार विमर्श किया गया । बैठक में राज्य सचिव नरेंद्र ओदिचय, संभाग सचिव मदनलाल वर्मा ,संभाग संयुक्त सचिव मनोज कुमार शर्मा, संभाग आयुक्त जनसंपर्क गोपाल लाल मेहता मेनारिया , सहायक राज्य संगठन आयुक्त विशाल कुमार सेन, जिला ऑर्गेनाइजर शांता वैष्णव उपस्थित रहे।

वाटर पार्क तोड़फोड़ मामले में अब तक कुल 28 व धागा फ़ेक्ट्री आगजनी में कुल 6 पुलिस की हिरासत में

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। नेशनल हाईवे पर स्थित किंग वॉटर पार्क में 6 जून को हुई मारपीट व धमाल करने के मामले में जिला विशेष टीम ने गंगरार थाना पुलिस के सहयोग से वाटर पार्क में मारपीट व तोड़फोड़ मामले में छः लोगो को तथा मनोमय धागा फ़ेक्ट्री में आगजनी मामले में तीन वांछित आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में वाटर पार्क मामले में अब तक कुल 28 लोगों व धागा फ़ेक्ट्री आगजनी के मामले में कुल 6 लोगो को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि गत 6 जून को चित्तौड़गढ़ भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर स्थित किंग वॉटर पार्क में प्रवेश के लिए हुए झगड़े व जेसीबी से की गई तोड़फोड़ एवं मनोमय धागा फ़ेक्ट्री में आगजनी करने के मामले में पुलिस ने कई लोगों को चिन्हित किया था। जिसमे वांछित अपराधियों की तलाश कर लगातार प्रयास किये जाकर गिरफ्तारी की जा रही हैं। इसी क्रम में एएसपी सिकाऊ मुकेश सांखला के निर्देशन में गंगरार थाना पुलिस द्वारा डीएसटी के सहयोग से वाटर पार्क में मारपीट व तोड़फोड़ करने वाले आरोपी गणेशपुरा थाना गंगरार निवासी 26

वर्षीय रतन लाल जाट पुत्र बालु लाल जाट, नागा का खेड़ा थाना गंगरार निवासी 24 वर्षीय राजु लाल जाट पुत्र लेहरु लाल जाट, गणेशपुरा थाना गंगरार निवासी 27 वर्षीय गोवर्धन जाट पुत्र भैरु लाल जाट, दौला जी का खेडा उर्फ झुपडा थाना गंगरार निवासी 23 वर्षीय सुरेश गुर्जर पुत्र सुखदेव गुर्जर, उण्डवा थाना गंगरार निवासी 39 वर्षीय नाथु लाल पुत्र नारायण लाल जाट व सोनियाणा थाना गंगरार निवासी 21 वर्षीय हेमेन्द्र सिह पुत्र प्रेम सिह राढौड राजपुत को गिरफ्तार किया गया है। वहीं मनोमय धागा फ़ेक्ट्री में आगजनी करने वाले आरोपी तख्तपुरा थाना हमीरगढ जिला भीलवाडा निवासी 20 वर्षीय प्रकाश चन्द्र नायक पुत्र शंकर लाल नायक, देवगिरी जी का खेडा थाना गंगरार निवासी 20 वर्षीय राकेश गिरी उर्फ देवेन्द्र गिरी गोस्वामी पुत्र हेम गिरी गोस्वामी व सूलीखेडा थाना गंगरार निवासी 27 वर्षीय प्रकाश सुथार पुत्र छोगा लाल सुथार को गिरफ्तार किया गया है। मामले में शेष वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए डीएसटी द्वारा उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही हैं। उनके रेवेन्यू रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। उनकी जमीन, संपत्ति व वाहन के दस्तावेज एकत्रित किये जाकर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। आरोपियों की तलाश व धरपकड़ के लिए डीएसटी व थाना पुलिस द्वारा भीलवाड़ा जिले में व गंगरार में लगातार केम्प कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में अधिकारी नहीं रखे कोई कसर: संधू

संजीवनी टुडे

सलूंबर। केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र आमजन को दिलाने के लिए अधिकारी रुचि लेकर तन मन से कार्य करें। फील्ड में समय बिताएं तथा मॉनिटरिंग को प्रभावी बनाएं। यह बात जिला कलेक्टर ने शुक्रवार पहल योजना को लेकर अपने कक्ष से जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में कही। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं इसकी नियमित समीक्षा करे तथा धरातल पर योजनाओं का लाभ पहुंचे इसके लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने पहल योजना के प्री कैंप में जिले की प्रगति की जानकारी ली तथा कहा कि शिविरों में योजनाओं के लाभ से वंचित रहे लोगों को भी जोड़ा जाए कोई भी पात्र व्यक्ति नहीं छूटे। पीपीटी के माध्यम से विभागीय योजनाओं की दी जानकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। योजनाएं कृषि विभागऽकृषि विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएंपीएम प्रणाम योजना, प्रधानमंत्री बीमा योजना, तारबंदी, खेत तलाई, सिंचाई पाइप लाइन इत्यादि योजनाएं संचालित है। को ऑपरेटिवऽ को ऑपरेटिव बैंक द्वारा संचालित योजनाएं किसान

क्रेडिट कार्ड, सूचना प्रौद्योगिकीऽ पीएम वाणी, शिक्षा विभाग छात्रवृति, गार्गी पुरस्कार, ट्रांसपोर्ट वाउचर, उधान विभागऽ राष्ट्रीय बागवानी मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान, महिला एवं बाल विकास विभागऽ प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना, उद्योग विभाग प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना, डॉ भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, श्रम विभागऽ ई श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री मानधन योजना, बैंकप्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पीएम विश्व कर्मा योजना, स्टैंड अप इंडिया, अटल पेंशन योजना, मत्स्य विभागऽप्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राजस्व विभागऽप्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, लैंड सीडिंग व ई केवाईसी, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभागपालनहार योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना इत्यादि। पहल योजना के नाम में ही प से पहुंचे, ह से हर तक, ल से लाभ से है इसलिए पहल योजना का मुख्य उद्देश्य हर तक पहुंचे योजना का लाभ है शिविरो के माध्यम से जन आधार, आधार कार्ड नामांकन, उज्ज्वला योजना, छात्रवृत्तिया, पेंशन, पालनहार, मुख्यमंत्री कन्यादान, दिव्यांग, बिजली कनेक्शन, कृषक लोन, पीएम विश्वकर्मा, ई श्रम,60 वर्ष से अधिक रोडवेज पास, केसीसी, कृषि यंत्र, फार्म पॉड, नामांतरण, केटल शेड, बैंक खाता इत्यादि कार्यो को पहल योजना के माध्यम से पूर्ण किया जाएगा और प्रत्येक व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आसानी से पहुंचेगी।

प्री कैंप से भी आम जन को किया जा रहा है लाभान्वित

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर पहल योजना के कैंप लगाए जा रहे है जिला कलेक्टर स्वयं प्रतिदिन ले रहे है प्री कैंप का फीडबैक और दे रहें है आवश्यक दिशा निर्देश। जिला कलैक्टर के निर्देशन में जिले में प्री कैंप 5 जुलाई से नियमित आयोजित हो रहे है पहल योजना के प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्री कैंप का आयोजन किया जा रहा है इस प्री कैंप के माध्यम से वार्ड पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य को अपनीऽअपनी ग्राम पंचायत और वार्डो के पात्र लाभार्थियो को अधिक से अधिक इन कैम्प में लाभान्वित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही उपस्थित आमजन को हाथो हाथ लाभान्वित भी किया जा रहा है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के अथक प्रयासों से जिले में पहल योजना के द्वारा ग्राम विकास अधिकारी, पटवारीयो की सहायता से जिले में लगभग 346737 वंचित पात्र परिवारों का सर्वे कराया गया इस सर्वे उपरांत पात्र पाए गए परिवारों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ के लाभान्वित किया जायेगा जिससे जिले में कोई भी पात्र परिवार सरकार की योजनाओं से अब वंचित नहीं रहेगा जिला कलेक्टर का यह एक महत्वपूर्ण नवाचार है इस नवाचार से जिले में क्रांतिकारी दूरगामी बदलाव आएगा जिले का प्रत्येक परिवार सरकार की योजनाओं से आसानी से जुड़ जायेगा और भविष्य में किसी भी योजनाओं से आसानी से जुड़ पाएंगे और कभी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा, सलूंबर जिले में सरकार की योजनाएं धरातल पर शत प्रतिशत पहुंचेगी और प्रत्येक परिवार सरकार की योजनाओं से जुड़ जायेगा।

यह रहे उपस्थित

बैठक में एसीईओ दयाचंद यादव, हेमन्त पंडिया एक्सईएन डबल्यूआरडी, परिवहन अधिकारी सुरेन्द्र सिंह गुलिया, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग हेमन्त खटीक, डीओआईटी जीवन राम मीणा, पीआरओ पुष्पक मीणा,पशु पालन विभाग डॉ हरिकेश मीणा, कृषि विभाग गोस मोहम्मद,लेबर विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग,सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी,कर्मचारी एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण वीसी के माध्यम से जुड़े।

सम्पादक की कलम से.... सम्पादकीय

ऑनलाइन शॉपिंग के बाजार में बैंगलोर सबसे आगे

शोध के बाद एक लिस्ट जारी की गई जिसमें ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में पहले पायदान पर भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाने वाले वाला शहर बैंगलोर है। यहां ऑनलाइन शॉपिंग की कुल ट्रैफिक 12.50 फीसदी है। इसका कारण यह भी है कि भारत की तमाम अग्रणी आईटी कंपनियां बैंगलौर में ही हैं। एक दौर था 1991 का जब इंटरनेट ने कॉमर्स या व्यापार के क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी थी। इसके बाद से ही कॉमर्स के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ा ई-कामर्स का और देखते ही देखते यह काफी प्रचलित हो गया। आज के समय में भारत व्यापार के क्षेत्र में सबसे तेज उभरने वाला देश बन गया है।

2017 में भारत के औद्योगिक क्षेत्र में 21 निजी इक्विटी और उद्योग ने करीब 2.1 बिलियन का सौदा किया था। वहीं वर्ष 2018 के पहले छह महीनों में कुल 1129 मिलियन के 40 समझौते हुए। इन सब में वर्ष 2018 के क्लोजिंग इयर में 32.70 बिलियन के साथ ऑनलाइन बाजार मील का पत्थर साबित हुआ। इन सब में सबसे ज्यादा मुनाफा फ्लिटकार्ट, पेटीएम और अमेजॉन जैसी कम्पनियों को हुआ। इस इंडस्ट्री में प्रगति का सबसे बड़ा कारण इंटरनेट और स्मार्टफोन रहे जिनका व्यापार 2007 में 4 प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 34.42 प्रतिशत हो गया था। व्यापार के क्षेत्र में विश्व का सबसे बड़ा समझौता हाल ही में ठट्ट की कंपनी वॉलमार्ट और भारतीय कंपनी फ्लिपकार्ट में हुआ जिसमें वॉलमार्ट ने फ्लिपकार्ट का 77 फीसदी शेयर खरीद लिये जिसकी कीमत 16 बिलियन डॉलर थी। इन दो बड़ी कंपनियों की डील ने भारतीय बाजार में बहुत बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। वॉलमार्ट काफी समय से भारतीय बाजार में पैंठ बनाने की कोशिश में था और अब काफी हद तक कामयाब भी हो गया। इस डील के बाद फ्लिपकार्ट और अमेजॉन के बीच बाजार में खुद को बनाए रखने के लिए कड़ी प्रतियोगिता शुरू हो गई।

यह डील अगस्त में पूरी हुई जिसके बाद फ्लिपकार्ट को बढ़ाने के लिए 2 बिलियन डॉलर की नई इक्विटी भी जोड़ी गई। फ्लिपकार्ट के मुताबिक़कंपनी स्थानीय किराने की दुकानों और डिस्काउंट-भारी मॉडल को बनाए रखते हुए आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क और रसद का निर्माण करना चाहती है। वही दूसरी तरफ वॉलमार्ट भारत में थोक व्यापार को बढ़ाने की जुगत में लगी हैं।

हाल ही में हुए एक शोध में देखा गया कि ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ सबसे ज्यादा रुझान बैंगलोर का है। शोध के बाद एक लिस्ट जारी की गई जिसमें ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में पहले पायदान पर भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाने वाले वाला शहर बैंगलोर है। यहां ऑनलाइन शॉपिंग की कुल ट्रैफिक 12.50 फीसदी है। इसका कारण यह भी है कि भारत की तमाम अग्रणी आईटी कंपनियां बैंगलौर में ही हैं। इस लिस्ट में दूसरा स्थान हैदराबाद का है। यहां ऑनलाइन शॉपिंग का कुल ट्रैफिक 10.5 फीसदी है। तीसरे स्थान पर आता है महानगर मुंबई है। इस शहर में ऑनलाइन शॉपिंग के कुल उपभोक्ताओं की तादाद 10.10 फीसदी है। चौथे स्थान पर आता है पुणे, यहां का कुल ट्रैफिक 7.20 फीसदी है। पूणे को पूर्व का ऑक्सफोर्ड भी कहा जता है और यहाँ की ज्यादातार जनसंख्या तकनीकि लोगों की है। लिस्ट में पांचवा स्थान राजधानी दिल्ली का है। यहां उपभोक्ताओं का कुल ट्रैफिक 7.0 फीसदी है। वहीं इस लिस्ट में 5.50 फीसदी ट्रैफिक के साथ चेन्नई छठें व 4.05 फीसदी के ट्रैफिक के साथ अहमदाबाद सातवें स्थान पर है। 3.09 फीसदी के साथ कोलकाता आठवें, 2.73 फीसदी के साथ जयपुर नवें और 2.72 फीसदी के साथ चंडीगढ़ दसवें स्थान पर है। जैसा कि हम सूची का निष्कर्ष निकालते हैं, हम यह कहना चाहेंगे कि हमारी सूची में शीर्ष शहरों का प्रतिशत ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र के लिए एक बड़ा योगदान है, लेकिन ये केवल व्यवसाय लाने वाले शहर नहीं हैं। पड़ोसी शहर भारतीय ऑनलाइन रिटेल को दुनिया में उत्कृष्ट कृति बनाने में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। निश्चित रूप से, कम आबादी वाले अन्य शहर आज हमारी सूची में एक नंबर नहीं बना सकते हैं, लेकिन वे भारतीय ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र की रीढ़ हैं।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

जल की बर्बादी नहीं रोकी तो खड़ा होगा संकट

जलसंकट की बानगी देखिए, चेन्नई में जल संकट के कारण कई बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वह दफ्तर का कार्य घर से ही करें ताकि पानी की खपत कम की जा सके। संगापेरुमल इलाके की कुछ कंपनियों ने तो शौचालयों में ताला लगाना शुरू कर दिया है। 'राखुंडा नई पीढ़ी के लिए शायद नया शब्द हो, परंतु दक्षिणी पंजाब, हरियाणा व राजस्थान में दो दशक पहले तक यह जीवन का हिस्सा था। 'राख' और 'कुंड' शब्दों की संधि से बना 'राखकुंड' शब्द घिस-घिस कर 'राखुंडा' बना होगा शायद। घर में बर्तन-कासन मांजने वाला स्थान था राखुंडा, जहां जरूरत अनुसार गड्ढे या बर्तन में राख अथवा मिट्टी रखी जाती। भांडे मांजने की युगों से चली आ रही हमारी प्रणाली थी 'राखुंडा' जिसे हर प्रांत में अलग अलग नाम मिला हुआ था। बहुत आसान व सस्ता था बर्तन मांजना। पहली बात तो कभी जूठा छोड़ा नहीं जाता था और अगर किसी बर्तन में जूठ मिल भी जाती तो एक बर्तन में एकत्रित कर लिया जाता जो बाद में जानवरों को दे दिया जाता। फिर बर्तन में राख डाल कर रगड़ाई होती और बाद में साफ कपड़े से उसे पोंछा जाता। बर्तन चमचमाने लगते, पूरे घर के कासन मंज जाते परंतु मजाल है कि पानी की एक बूंद की भी जरूरत पड़े। बर्तन आज भी साफ होते हैं परंतु, शरिंक पर। जूठे बर्तनों में पानी भर कर पहले भिगोया जाता है और उसके बाद धोया जाता है। बाद में किसी डिटर्जेंट पाऊडर या बर्तन सोप के साथ स्क्रबर की सहायता से बर्तनों की रगड़ाई होती है और फिर से धुलाई। शरिंक के सिर पर लगी टोटियां पानी उगलती हैं तो पता ही नहीं चलता कि कितनी मात्रा में जल देवता स्वर्गलोक से उतर कर गटरासन पर विराजमान हो जाते हैं। आज जब देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जल संकट दानव रूप ले चुका है तो 'राखुंडे' की अनायास ही याद हो आई।

देश में जलसंकट की बानगी देखिए, चेन्नई में जल संकट के कारण कई बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वह दफ्तर का कार्य घर से ही करें ताकि पानी की खपत कम की जा सके। संगापेरुमल इलाके की कुछ कंपनियों ने तो शौचालयों में ताला लगाना शुरू कर दिया है। अगर किसी कंपनी के दफ्तर में एक तल पर दस शौचालय हैं तो उनमें से आठ को बंद कर दिया गया है।

राजस्थान में कई जगहों पर लोगों ने पानी की टंकियों को ताले लगाने शुरू कर दिए हैं। पानी बचाने के लिए कई राज्य सरकारों ने होटल स्वामियों से अपने यहां प्लेटों की जगह पत्तलों का इस्तेमाल करने को कहा है ताकि इससे बर्तन धोने का पानी बचाया जा सकेगा। पिछले दिनों हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया था कि

विचार बिन्दु

लोगों में जल के प्रति जागरूकता फैलाने व जलसंकट के हल के लिए जल शक्ति मंत्रालय भी बनाया गया है परंतु जनता के सहयोग के बिना किसी भी सरकार की योजना सफल होने वाली नहीं है। स्वच्छ भारत अभियान शायद लोगों के सहयोग के बिना संभव न हो पाता। 'राखुंडा' और 'शरिंक' दो वस्तुएं नहीं बल्कि प्रतीक हैं संयमित जीवन और अंध उपभोक्तावाद के। संयम व मितव्ययता हमारी संस्कृति, युगों प्रमाणित जीवन शैली है जो प्रकृति में ईश्वर का वास देखती है। प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत अनुसार ही प्रयोग करना हमारे पूर्वजों ने हमे सिखाया है।

राज्य में 75 प्रतिशत भूजल की खपत हो चुकी है। 22 जिलों में से 10 जिलों का जमीन भू-जल स्तर बद से बदतर होता जा रहा है। पंजाब में भी धरती के नीचे का पानी खतरनाक स्तर पर घट रहा है। पांच नदियों की भूमि पंजाब में हर साल भूजल दो से तीन फुट तक गिर रहा है। आज हालात ये हैं कि राज्य के 141 में से 107 खण्ड डार्क जोन में हैं। एक दर्जन के करीब क्रिटिकल डार्क जोन में चले गए हैं। क्रिटिकल डार्क जोन में नया ट्यूबवैल लगाने पर जहां केंद्रीय भूजल बोर्ड ने पाबंदी लगा दी है। कमोबेश यही हालत देश के लगभग हर प्रांत की बनी हुई है।

मौसम में आए परिवर्तन के कारण तापमान 45 से 50 डिग्री तक पहुंच गया है। बढ़ता तापमान और कम होता जल स्तर अशुभ संकेत है। 18, मई 2019 को केंद्र सरकार की ओर से जारी परामर्श में साफ कहा गया है कि पानी का प्रयोग केवल पीने के लिए ही करें। केंद्रीय जल आयोग देश के इक्यानवें मुख्य जलाशयों में पानी की मौजूदगी और उसके भंडारण की निगरानी करता है, की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इनमें पानी का कुल भंडारण घटकर 35.99 अरब घन मीटर रह गया है। यह उपलब्धता इन इक्यानवें मुख्य जलाशयों की कुल क्षमता का केवल बाईस प्रतिशत है। इससे साफ संकेत है कि देश में पानी का संकट गहराने लगा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 1947 में भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए सालाना 6042 घन मीटर पानी उपलब्ध था, लेकिन 2011 में यह 1545 घन मीटर रह गया। शहरी विकास मंत्रालय ने लोकसभा में पैंतीस प्रमुख शहरों में जलापूर्ति को लेकर आंकड़ा पेश किया था। इनमें तीस शहरों को उनकी जरूरत से कम पानी मिलने की खबर भी सामने आती हैं। शहरों का एक बड़ा हिस्सा भूजल का इस्तेमाल कर रहा है। नतीजतन, भूजल का स्तर तेजी से गिर रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन 150 से 200 लीटर पानी की आवश्यकता रहती है जो उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अगर जल को न संभाला गया तो प्राणीमात्र का जीना मुश्किल हो जाएगा।

जलसंकट की जननी है हमारी बदलती जीवन शैली, वह प्रणाली जिसमें विलासिता, सुविधाभोग, निर्दयता, जिम्मेवारी के एहसास की कमी के तत्वों की प्रधानता है। जल जिसे हमारे ऋषियों ने देवता माना और नानक ने पिता के समान आदरणीय बताया, आज हमारे लिए केवल और केवल खरीद फरोख्त व दुरुपयोग की वस्तु मात्र बन गई है। सच है कि आज का मानव प्रकृति के साथ कुछ-कुछ दानव जैसा व्यवहार करने लगा है। जल, जमीन, जंगल और जानवरों का हो रहा विनाश इसी ओर इशारा करता है कि हम वो नहीं रहे जिसके लिए जाने जाते थे। शेव या पेस्ट करते हुए वाशवेशन का नल चलता रहना, टंकियों का ओवरफ्लो, पाईपों से पानी का बहते रहना, बहती टूटियों पर ध्यान न देना आदि अनेक इसी दानवी व्यवहार के उदाहरण हैं जो सामान्य रूप से हमारे घरों में मिल जाते हैं। कल्पना करें जिस दिन पानी हमारे बीच नहीं होगा या बहुत कम मात्रा में होगा तो हमारा जीवन किस तरह चल पाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर को शौचालय की तर्ज पर हर घर को नल का पानी देने का संकल्प जताया है।

लोगों में जल के प्रति जागरूकता फैलाने व जलसंकट के हल के लिए जल शक्ति मंत्रालय भी बनाया गया है परंतु जनता के सहयोग के बिना किसी भी सरकार की योजना सफल होने वाली नहीं है। स्वच्छ भारत अभियान शायद लोगों के सहयोग के बिना संभव न हो पाता। 'राखुंडा' और 'शरिंक' दो वस्तुएं नहीं बल्कि प्रतीक हैं संयमित जीवन और अंध उपभोक्तावाद के। संयम व मितव्ययता हमारी संस्कृति, युगों प्रमाणित जीवन शैली है जो प्रकृति में ईश्वर का वास देखती है। प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत अनुसार ही प्रयोग करना हमारे पूर्वजों ने हमे सिखाया है। बदली परिस्थितियों के चलते चाहे 'राखुंडा' पूरी तरह नहीं अपनाया जा सकता तो कम से कम शरिंक को तो कुछ न कुछ 'राखुंडा' जैसा बना ही सकते हैं। कुछ दिन पहले मेरी पत्नी के बीमार होने के चलते मुझे घर के बर्तन मांजने का सुअवसर मिला तो मैंने आधी-पौनी बालटी में सभी बर्तन साफ कर लिए और उस पानी को क्यारी में डाल दिया। बनिया बुद्धि से हिसाब लगाएं तो भांडे के भांडे मंज गए और पौधों की प्यास भी बुझ गई। फिर बीस-पच्चीस बरस बाद घर आंगन में 'राखुंडा' हंसता खिलखिलाता दिखाई दिया तो किसी बिछड़े हुए स्वजन की स्मृति ताजा हो उठी।

किस तरह के गुप्त तांत्रिक साधनाएं होती हैं गुप्त नवरात्रि में

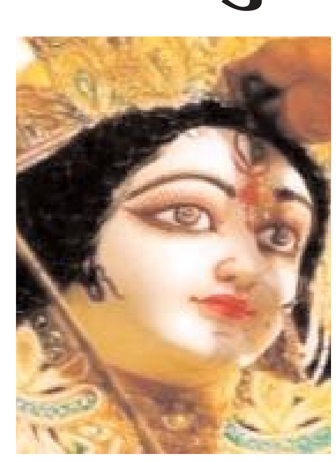

गुप्त नवरात्र तांत्रिक साधनाएं करने के लिए जाना जाता है। इस नवरात्रि में विशेष साधक ही आराधना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि गुप्त नवरात्रि में की जाने वाली साधना को सबके सामने उजागर न कर गुप्त रखा जाता है। इस साधना से देवी प्रसन्न होती हैं तथा मनचाहा वर देती हैं। आमतौर पर हम दो ही नवरात्र जानते हैं एक आश्विन तथा दूसरा चैत्र नवरात्र। ये दोनों नवरात्र प्रकट नवरात्र हैं। इसके अलावा हिन्दू वर्ष में दो गुप्त नवरात्र भी मनाए जाते हैं एक माघ में और दूसरा आषाढ़ में। आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवमी तिथि तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। इस साल गुप्त नवरात्र 3 जुलाई से शुरू होकर 10 जुलाई तक रहेगा।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि गुप्त नवरात्रि का महत्व प्रकट नवरात्रि से अधिक होता है। ये नवरात्र साधकों के लिए खास होते हैं। इन समय साधक को सिद्धिया मिलती हैं। इन नवरात्रों में दस महाविद्याओं की साधना करके साधक मनोवांछित फल पा सकते हैं। तो आइए हम आपको गुप्त नवरात्र के बारे में बताते हैं। आम नवरात्रि में सात्विक और तांत्रिक दोनों तरह की पूजा होती है लेकिन गुप्त नवरात्रि में अधिकतर तांत्रिक पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में साधना जितनी गोपनीय रखी जाती है सफलता उतनी अधिक मिलती है। गुप्त नवरात्रि में सामान्यतः साधक अपनी साधना को गोपनीय रखता है और इसकी चर्चा केवल अपने गुरु से करता है। जहां नवरात्रि में देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है उसी तरह गुप्त नवरात्र में दस महाविद्याओं की पूजा होती है। इस समय देवी भगवती के भक्त बेहद कड़े नियमों से देवी की आराधना करते हैं। विधिपूर्वक पूजा-अर्चना देवी से आर्शीवाद लेते हैं।

[illegible]

- नवरात्रि शुरु होने से पहले घर और मंदिर को स्वच्छ रखें।
- पूजा की सामग्री को पहले ही घर में रख लें।
- इन दिनों घर आई स्त्री का सम्मान करें.
- प्याज और लहसुन वाले खाने से दूर रहें।

[illegible]

- गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की अवतार मां ध्रूमावती, मां काली, माता बगलामुखी, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मातंगी तथा कमला देवी की अराधना होती है।
- मंदिर में मां दुर्गा के चित्र को स्थापित करें।
- मंत्र जाप कर छोटी कन्याओं को भोजन कराएं।
- साधक मनोवांछित फल पाने के लिए कुछ खास उपाय भी कर सकते हैं इसके लिए दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

06 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1885	लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
1944	महात्मा गांधी को पहली बार नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रपिता कहा।
2002	अफ़ग़ानिस्तान के उपराष्ट्रपति अब्दुल कादिर की हत्या।
2005	मैक्सिको में मानव का चालीस हज़ार वर्ष पुराना पदचिह्न मिला।
2006	विश्व कप फुटबाल में फ्रांस ने पुर्तग़ाल को हराया।
2008	दक्षिणी मिस्र में 5000 साल पुराने शाही क़ब्रिस्तान की खोज की गई।
2012	संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की जारी विश्व निवेश रिपोर्ट-2012 के अनुसार बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए 2012 से 2014 की अवधि में चीन सबसे आकर्षक निवेश स्थल रहा। उसके बाद अमेरिका, भारत का स्थान रहा।

जन्मे व्यक्ति

1947	अनवर जलालपुरी - 'यश भारती' से सम्मानित उर्दू के मशहूर शायर थे।
1935	दलाई लामा - बौद्ध धर्म के धर्मगुरु।
1905	लक्ष्मीबाई केलकर - भारत की प्रख्यात समाज सुधारक थीं।
1901	श्यामाप्रसाद मुखर्जी, भारतीय राजनीतिज्ञ
1837	रामकृष्ण गोपाल भंडारकर, समाजसुधारक

जलती धरती तपता आसमान ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम

विचार बिन्दु

संजीव ठाकुर

वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50% से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा।

भारत जैसे विकासशील देश में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही हैद्य इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा हैद्य अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं। भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है, यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं ।

विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60% तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43% से 50% तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे, इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54% अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं।

कम हो तनाव तो केश रहे लाजवाब

चिंता चिता के समान होता है, जितनी जल्दी जला दें अच्छा है। यहां तो चिंताओं के बीच ही लोग जीवन-यापन के तौर-तरीके सीखते हैं। किसी की जेब में पैसे नहीं है तो किसी को नौकरी की चिंता सता रही है। इसी चिंता की चिता में नौजवानों के बाल जल रहे हैं। केशों का टूटना या यों कहें कि गंजापन की अंधी दौर चल पड़ी है। जिसमें बहुत कम ही लोग सुरक्षित हैं। ऐसे में भी डॉक्टर मानते हैं कि बाल गिरना एक चिकित्सकीय बीमारी है, जिसका निदान संभव है। हेयर ट्रांसप्लांट व त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित शर्मा कहते हैं कि बाल कम होने के अनेकों कारण है। पैसों की कमी के बीच भी जीवन तनाव मुक्त जीया जा सकता है। खानपान का भी केश पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। डॉक्टर मानते हैं कि शुरू से ही कुछ चीजों का खयाल रखें तो गंजेपन की समस्या से बचा जा सकता है। बाल गिरने की रोकथाम करने और उपचार के लिए एक कारगर व सुरक्षित विकल्प के लिए डॉक्टर की सला ले सकते हैं।

रुसी या सिकरी है झड़ने का मूल कारण

सर की त्वचा में कुपोषण या रूखेपन के कारण जड़ों की त्वचा सूख कर झड़ने लगती है। जिसे सामान्य भाषा में रुसी या सिकरी कहा जाता है। रुसी होने पर बाल झाड़ने शुरू हो सकते हैं।

सिर को साफ रखें

फंगल संक्रमणों से बचने के लिए अपने सिर को साफ रखें। अपने बालों को नियमित रूप से धोने, गंदगी को साफ करने और ज्यादा तेल की वजह से सिर की त्वचा के बंद हो जाने वाले छिद्रों को खोलने के लिए किसी हल्के शैम्पू का इस्तेमाल करें। आप अपने बालों को मुलायम बनाने और उलझने से रोकने के लिए किसी सौम्य कंडीशनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सौम्य और प्राकृतिक हेयरस्टाइल तकनीकों का चुनाव करें।

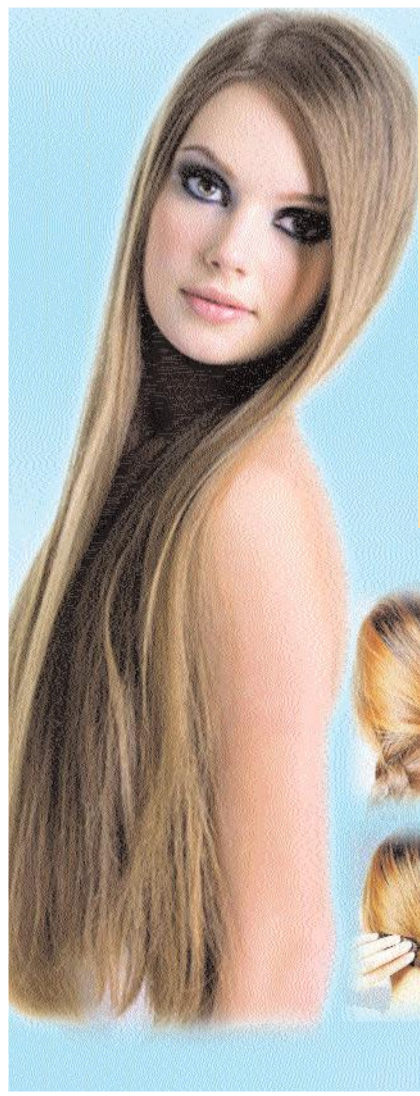

रुसी या सिकरी का उपचार

बाल धोने के आधा घटे पूर्व एक-दो नीबू काटकर बालों में मल लें तथा हल्के गरम पानी से सर धो लें। इससे रुसी का सफाया हो जाता है। दो किलो पानी में नींबू रस निचोड़कर एक सप्ताह तक प्रतिदिन अच्छी प्रकार से केश धोएं। नारियल के तेल में तेल से आधा कपूर, नीबू का रस मिलाकर जड़ों में हलकी मालिश करें और रोज मोटे दात वाले कंघे से हल्के हाथों से मालिश करें। बालों को साबुन से न धोकर रीठा से धोएं।

बाल कम होने के कारण

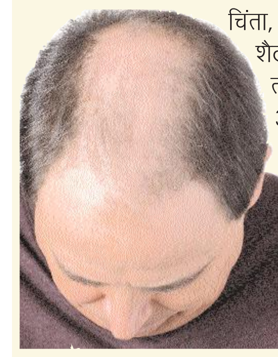

चिंता, लंबी बीमारी या शैल्यक्रिया के कारण तनाव होना। प्रोटीन, आयरन, जिंक या बायोटिन जैसे आवश्यक पोषक पदार्थो की कमी होना। लिहाजा पोषक तत्वों से भरे खाद्य पदार्थो को तरजीह दें। यौन हार्मोनों के स्तर में अचानक बदलाव आना, मसलन महिलाओं में डिलीवरी के बाद। सिर में फंगल संक्रमण होना। हेयरड्रेसिंग (केश सज्जा) तकनीकों का इस्तेमाल करना, जैसे – कसकर गूंथना, मोड़ना या बालों को अत्यधिक तापमान में रखना। ब्लीचिंग, कलरिंग और परमिंग, जैसे – प्रबल रसायनों के इस्तेमाल से बालों का उपचार करना। ये बालों की जड़ों को कमजोर करते हैं और इसके कारण बाल टूटते और झड़ते हैं। एंटीबायोटिक्स, बीटा ब्लॉकर्स और कॉर्टीसोंस जैसी औषधियां लेना। कीमोथेरेपी बालों की कोशिकाओं को नष्ट कर सकती है।

बालों का खयाल रखने के नुस्खे

हेलमेट, कंघियों, हेयरब्रशों और टोपियों को दूसरे लोगों के साथ साझा न करें। बाल गीले हों तो इन पर ब्रश या कंघी न करें। या बहुत कसकर ब्रश नहीं करें। चिंता, अवसाद और अत्यधिक उलेजना पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्यवर्द्धक और संतुलित आहार लें। हरी सब्जियां, नारियल, सोया, मछली, अंडे, लीवर और बादाम तथा अखरोट जैसी गिरियां आपके बालों को अच्छा पोषण प्रदान कर सकती है।

हैप्पी रहने के 9 मंत्र

- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं।
- एक कहावत है कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में कई घंटे बीत जाते हैं। इसलिए दूसरों को हंसने का अवसर अवश्य प्रदान करें।
- सकारात्मक सोच से कठिन से कठिन दिखाई देने वाले काम आसानी से संपन्न हो जाते हैं। यदि आप अपने मन में सकारात्मक भाव जाग्रत करेंगी तो आपका हर काम आसानी से पूरा हो जाएगा।
- अपनी छोटी-बड़ी हर उपलब्धि का जश्न मनाएं। कभी भी इस इंतजार में छोटी उपलब्धि को दरकिनार न करें कि जब बड़ी उपलब्धि हासिल होगी तो जश्न मनाएंगी।
- तन की सुंदरता के बजाय मन की सुंदरता को महत्व दें। तन की सुंदरता तो कुछ वर्षो की मेहमान है, जबकि मन की सुंदरता तो हमेशा साथ रहेगी।
- अपने आसपास के लोगों पर विश्वास करें। यदि आप हरेक को शंकालु दृष्टि से देखेंगी तो जिंदगी का आनंद उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- कौन कैसा है इस बात पर ज्यादा दिमाग न लगाएं। इसके बजाय इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आप अपने को और अच्छा कैसे बना सकती हैं।
- जो बात दिल में हो उसे कहने में संकोच न करें। कई बार हम अपने दिल की बात जुबां पर नहीं ला पाते और हमें बाद में पछताना पड़ता है।
- बिस्तर पर जाने से पहले सारी चिंताओं को अलग कर दें और बेफ्रिक होकर लेटें।

त्वचा कहे नो चिपचिप

तैलीय और चिपचिपी त्वचा चेहरे के आकर्षण को कम कर देती है, लेकिन ऐसी त्वचा की अगर सही देखभाल की जाए तो वह निखर उठेगी। इसके लिए आप यहां दिए कुदरती उपायों को अपनाएं। त्वचा का तैलीय होना सिबेशियस ग्लैंड्स के अत्यधिक सक्रिय होने का नतीजा होता है। त्वचा की कोमलता बरकरार रखने के लिए प्राकृतिक तेल जरूरी है, पर जब तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल का सिक्रीशन करती हैं तो एक्ने और मुंहासों की समस्या शुरू हो जाती है। ऐसे में धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कारण त्वचा के छिद्र भी बंद हो जाते हैं। अगर आप भी तैलीय त्वचा से परेशान हैं तो यहां दिए गए कुदरती उपायों को अपनाएं और पाएं साफ-सुथरी व निखरी त्वचा।

6 टिप्स हैल्दी त्वचा के लिए

- सेब को छीलकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद हलके गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। सेब एएचए का बेहतरीन स्रोत होता है, जो त्वचा को टोन करता है। उसे मुलायम और कांतिमय बनाता है।
- एक टी स्पून चंदन पाउडर में गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने पर पानी से धो लें। इससे त्वचा के दाग-धब्बे और एक्ने भी दूर होंगे।
- 1 टी स्पून बेसन में चुटकी भर हल्दी पाउडर, आधा नीबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अगर आपको नीबू सूट नहीं करता है तो उसकी जगह पर दही मिला सकती हैं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलते हुए छुड़ाएं। यह त्वचा का कालापन दूर करता है। हल्दी त्वचा की चमक बरकरार रखती है।
- तैलीय त्वचा को भी मॉयस्चराइजर की जरूरत होती है और इसके लिए आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एक बेहतरीन कुदरती मॉयस्चराइजर होता है। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें। यह त्वचा की जलन, मुंहासे और कालेपन को दूर करता है। साथ ही उसे कांतिमय और लचीली बनाता है।
- 1 टेबल स्पून चावल के आटे में 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और नीबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर भीतर से बाहर की तरफगोलोई में हाथ घुमाते हुए कुछ देर मसाज करें। चावल का आटा डेड सेल्स हटाता है। त्वचा के छिद्र भी खोलता है, ताकि साफऑक्सीजन त्वचा के भीतर जा सके।
- 1 टेबल स्पून मुलतानी मिट्टी में अंडे की सफेदी, 1 टेबल स्पून ओट्स पाउडर, 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

खीरे से बना फेस पैक फायदेमंद

यदि आपकी त्वचा तैलीय है तो खीरे का फेस पैक आपके लिए बहुत अच्छा एक अच्छा फेस पैक है। खीरे का फेस पैक बनाने के लिए एक खीरे में एक अंडे की सफेदी, 1 चम्मच नींबू का रस और पुदीने की 5-6 पत्तियों को मिलाकर पीस लें। अब इसे 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। उसके बाद इस पैक को चेहरे पर लगाएँ और कुछ देर बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।

चंदन एक फायदे अनेक

कीलमुंहासों के ठीक होने के बाद चेहरे पर किसी प्रकार के दागधब्बों को भी चंदन के लेप से साफ़ किया जा सकता है। चंदन का लेप केवल कीलमुंहासों को, ठीक नहीं करता बल्कि त्वचा को साफ़ कर नमी भी प्रदान करता है। 1 चम्मच चंदन पाउडर में आधा चम्मच पाउडर मिला कर पेस्ट बना कर चेहरे पर 20 मिनट लगाए रखने से केवल कीलमुंहासे कम नहीं हो, आप का चेहरा भी खिलाखिला प्रतीत होता है। बराबर मात्रा में चंदन पाउडर हलदी पाउडर मिला कर थोड़े दूध के साथ पेस्ट बनाएं, इस में चुटकी भर कपूर भी मिलाएं। इस लेप की चेहरे पर मालिश कर रात भर लगा रहने दें। इस से आप को ठंडक के एहसास के साथसाथ चेहरे के दागधब्बे दूर होने का फायदा भी मिलेगा।

साइड इफैक्ट नहीं

चंदन का प्रयोग प्राचीन काल से चला आ रहा है। खासकर आयुर्वेद में चंदन का प्रयोग खूब किया गया है। किसी प्रकार का घाव, फोड़ेफुंसी, कटनाछिलना आदिसभी पर चंदन के लेप से आराम मिलता है। यह एक कीमती पेड़ है, जो दक्षिण भारत में ज्यादातर पाया जाता है। चंदन का उबटन शादी से पहले नववधू लगाती है ताकि उस के चेहरे और काया की चमक बनी रहे। यह एक प्राकृतिक पदार्थ है, इसलिए इस के नियमित प्रयोग से किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं होता।

इस की खूबियाँ

चंदन में कीटाणुनाशक विशेषता होने की वजह से यह हर्बल एंटीसेप्टिक है, इसलिए किसी भी प्रकार के छोटे घाव और खरोंच को ठीक करता है। यह जलने से हुए घाव को भी ठीक कर सकता है।

शरीर के किसी भाग पर खुजली होने पर चंदन पाउडर में हल्दी और एक चम्मच नीबू का रस मिला कर लगाने से खुजली तो दूर होगी ही, साथ में त्वचा की लालिमा भी कम होगी। चंदन का तेल सूखी त्वचा के लिए गुणकारी होता है। यह सूखी त्वचा को नमी प्रदान करता है।

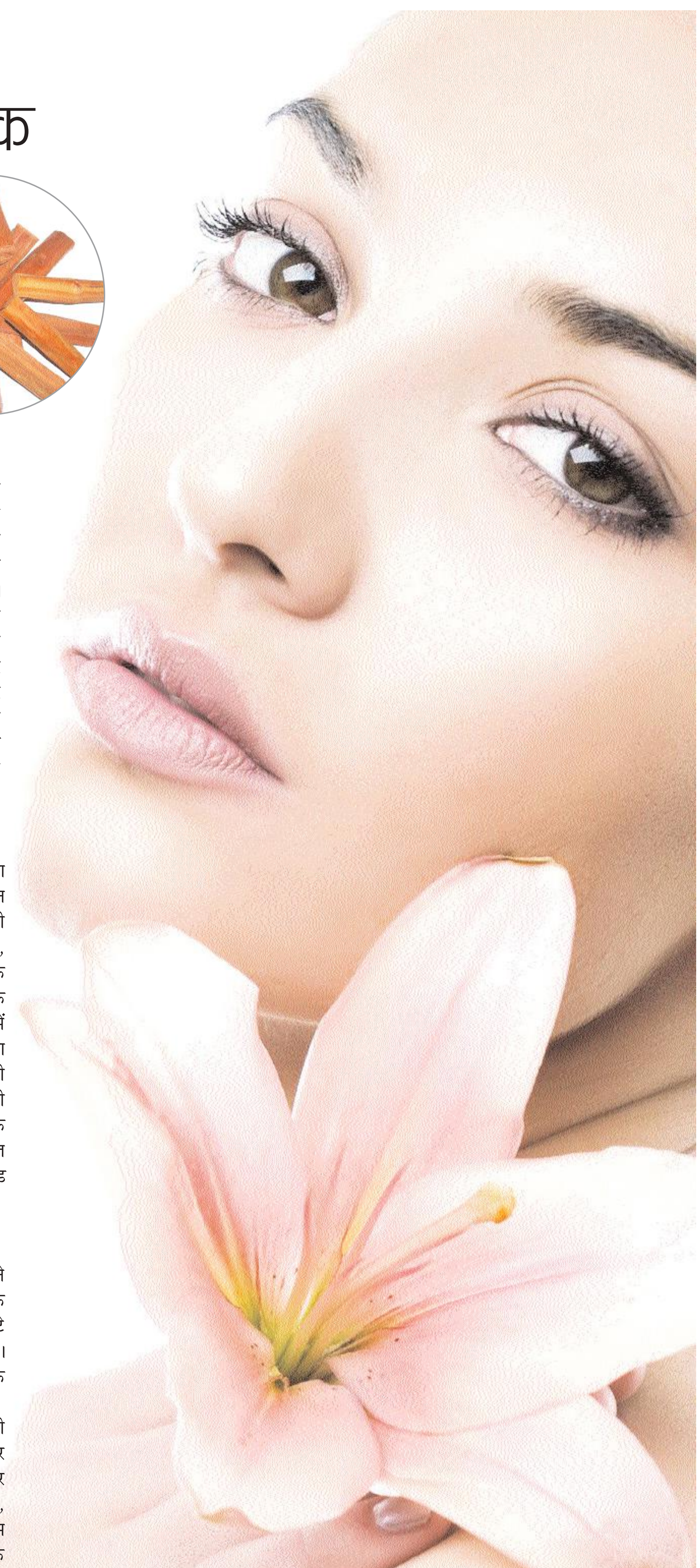

मुल्तानी मिट्टी जरूर इस्तेमाल करें

अगर आप महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट, शैम्पू, ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करते हुए थक चुकी हैं, फिर भी आपको कोई फ़ायदा नहीं हुआ है तो एक बार मुल्तानी मिट्टी ज़रूर इस्तेमाल करके देखें। जानी-मानी सौन्दर्य विशेषज्ञ भारती तनेजा का कहना है कि मुल्तानी मिट्टी सौन्दर्य का ख़ज़ाना है। ये नेचुरल कंडीशनर भी है और ब्लीच भी। ये सौन्दर्य निखारने का सबसे सस्ता और आयुर्वेदिक नुस्खा है। साथ-ही मुल्तानी मिट्टी सभी फेस पैक का बेस होती है। चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी का लेप लगाने से रंगत निखरती है और बालों में लगाने से वे घने, मुलायम और काले हो जाते हैं। मुहांसों की समस्या से परेशान लोगों के लिए तो मुल्तानी मिट्टी सबसे कारगर इलाज है, क्योंकि मुल्तानी मिट्टी चेहरे का तेल सोख लेती है, जिससे मुहांसे सूख जाते हैं। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में दही और पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिला कर उसे आधे घंटे तक रखा रहने दें, फिर अच्छे से मिला कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर हल्के गर्म पानी से धो दें। ये तैलीय त्वचा को चिकनाई रहित रखने का कारगर नुस्खा है। एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी पाउडर में एक अंडे का सफेद भाग और पुदीने की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें। ये पैक हफ्ते में तीन बार लगाएं।

पथरी से सावधान

पेशाब की पथरी पेशाब में उपस्थित लवणों व खनिजों के जमाव से बनते हैं। ये आमतौर पर मध्य आयु यानि की चालीस साल या उसके बाद पता लगने शुरू होते है। जब लवणों और खनिजों की परतें विभिन्न जगहों पर जमा होती जाती हैं तो इन पत्थरों का आकार बढ़ता जाता है। ये पत्थर आमतौर पर कैल्शियम के फास्फेट और ऑक्जेलेट होते हैं। ये सभी लवण और खनिज खाने की चीजो व पानी से शरीर में आए होते है। कुछ सब्ज़ियाँ जैसे पालक, अरबी के पत्ते और टमाटरों में बहुत अधिक लवण होते हैं। जमीनी पानी में भी काफी सारे लवण होते हैं। कुएँ या बोरवेल का पानी यह भी पथरी बनने का कारण होता है। ये लवण धीरे-धीरे करके शरीर में जमा हो जाते हैं और पत्थर बना लेते हैं। पेशाब के पत्थर आकृति और आकार में अलग-अलग होते हैं। आमतौर पर ये उसी जगह का आकार ले लेते हैं जिसमें ये बनते हैं। इसलिए मूत्रवाहिनी के पत्थर लम्बे होते हैं और मूत्राशय में बने पत्थर गोल होते हैं। गुर्दे में बने पत्थर या तो कीप के आकार के होते हैं या अनियमित आकार के जैसे कि हिरण के सींग। फोस्फेट और कॉर्बोनेट के पत्थरों की सतह मुलायम होती है और ऑक्सेलेट के पत्थरों की खुरदुरी। इस कारण से ऑक्सेलेट के पत्थरों के कारण खून भी निकल सकता है। कुपोषित बच्चों के मूत्राशय में कभी कभी बड़े-बड़े पत्थर बन जाते हैं। ये कुपोषण के कारण शरीर के प्रोटीन के टूट जाने के कारण बनते है। जिसमें पेशाब में फालतू पदार्थे का जमाव हो जाता है। ये कण लवणों के और जमाव के लिए केन्द्रक के रूप में काम करते हैं। पत्थर नींबू समान बड़े भी हो सकते हैं।

गुर्दे की कीप में पत्थर

गुर्दे की कीप में पत्थर कई सालों तक महसूस हुए बिना शरीर में पड़े रह सकते हैं। अक्सर उस व्यक्ति को पता लगने से कही पहले गुर्दे खराब हो चुके होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह बीमारी काफी धीमी होती है और एक गुर्दे के खराब होने पर दूसरा उसका काम चला लेता है। कुछ मामलों में थोड़ी सी बेआरामी हो सकती है। यह गुर्दे के क्षेत्र तक ही सीमित होती है। और यह हल्का दर्द पीठ के तरफ ज़्यादा महसूस होता है। कभी-कभी कीप के क्षेत्र में पेशाब के इकट्ठे हो जाने के कारण गुर्दे सूज भी जाते हैं। कभी-कभी ऐसा बड़ा गुर्दा एक गांठ जैसे की हाथ से ही महसूस हो जाता है। कभी-कभी यह समस्या गुर्दे में संक्रमण के रूप में सामने आती है। कभी-कभी गुर्दे की पेशियाँ पत्थर को कीप से नीचे मूत्रवाहिनी की और धकेलती है। ऐसे में एक खास तरह का तेज पेट दर्द नीचे की ओर जाता हुए महसूस होता है। यह दर्द लहरों के रूप में उठता है।

दर्द

मूत्रवाहिनी शूल (दर्द) एक खास तरह का दर्द है जो इस तरह की पथरी से होता है। दर्द पेट में मूत्रतंत्र तक सीमित होता है। यह पेट की मध्यरेषा के दायें या बाएँ ओर होता है। रोगी दर्द से कराहता है। वो या तो उस क्षेत्र को दबाकर या फिर एक तरफ को लेटकर दर्द को दबाने की कोशिश करता है। दर्द मूत्रमार्ग की ओर बढ़ता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मूत्रनलिका और मूत्रवाहिनी की तंत्रिकाओं की जुड़ी समान होती हैं।

मूत्राशय में पथरी

पेशाब करना थोडा मुश्किल होता है। ये पत्थर मुख्यत: मूत्रवाहिनी से आते है। कभी-कभी सीधे मूत्राशय में भी पत्थर बन सकता है। कुपोषित बच्चों में ऐसा होता है। इसके लक्षणों में मुख्यत: मूत्राशय शोथ या पेशाब अटकना शामिल है। मूत्राशय शोथ में खास तरह की जलन, और ऐठन वाला दर्द, बुखार, पेशाब में गन्दलापन और बार-बार पेशाब करने की इच्छा होती है। मूत्राशय में हुए पत्थरों से कुछ रोगियों के पेशाब में रक्त स्त्राव दिखाई देता है। मूत्राशय के पत्थरों के कारण पेशाब रूकने की एक खास विशेषता है रोगी की स्थिति से इसका सम्बन्ध। जब रोगी खड़ा होता है या पेशाब करने के लिए बैठा होता है उस समय ये पत्थर मूत्राशय के निकास मुँह पर गेंद की तरह पड़ा रहता है रोगी जितना ज़्यादा जोर लगाता है उतना ही ज़्यादा रोक लगती है। परन्तु अगर रोगी लेटे लेटे पीठ के बल या करवट से पेशाब करने की कोशिश करे तो पत्थर मूत्राशय के निकास मुँह से लुढ़क जाता है। इससे पेशाब बाहर निकल सकती है। कभी-कभी छोटे पत्थर या कंकड़ बड़े पत्थरों के छोटे-छोटे टुकड़े मूत्रमार्ग में से निकल जाते हैं।

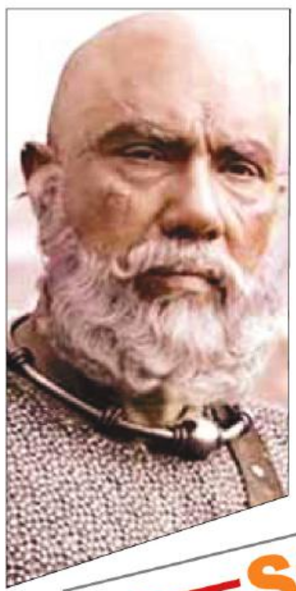

कटप्पा ने शुरू की सलमान की 'सिकंदर' की शूटिंग...

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग चल रही है। इस फिल्म में 'बाहुबली' के कटप्पा यानी एक्टर सत्यराज भी नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि वे इसमें खलनायक का किरदार अदा करेंगे। उन्होंने भी शूटिंग शुरू कर दी है। सेट से निर्माताओं ने सत्यराज के साथ तस्वीरें साझा की हैं। इसके अलावा प्रतीब बब्बर भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मेकर्स ने प्रतीक और सत्यराज दोनों का सेट पर स्वागत किया है। इस फिल्म का निर्देशन दक्षिण के लोकप्रिय निर्देशक एआर मुरुगडस कर रहे हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन के एक्स हैंडल से एक पोस्ट साझा की गई है। इसमें तीन तस्वीरे हैं।

लाइफ Style

दीपिका

'विपरीत करणी' आसन के बताए फायदे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण जल्द ही मां बनने वाली हैं। वे गर्भवती हैं और गर्भावस्था का सातवां महीना चल रहा है। इस दौरान वे सोशल मीडिया पर भी पहले से अधिक सक्रिय हैं और अपनी दिनचर्या के बारे में फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आ रही हैं।

दीपिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसे देख लोग हैरान हैं। अभिनेत्री वर्कआउट करती नजर आ रही हैं, वह भी ऐसा आसन, जिसे गर्भावस्था में करना शायद लोग ठीक न मानें! लेकिन, दीपिका ने इसके फायदों से रूबरू कराया है। हालांकि, जब मैं कसरत नहीं कर पाती तो मैं इस सरल आसन का अभ्यास पांच मिनट जरूर करती हूं। मैं इसे हर दिन करती हूं, चाहे मैं कसरत करूं या नहीं। खासकर फ्लाइट से यात्रा करने के बाद या यूं ही तनाव कम करने के मामले में यह आसन बहुत ही उपयोगी है। आप भी मेरे साथ डेली सेल्फ केयर प्रैक्टिस से जुड़ सकते हैं। विपरीत करणी आसन में पीठ के बल लेटकर पैरों को दीवार के सपोर्ट से ऊपर उठाकर सीधा रखा जाता है। दीपिका ने लिखा, 'संस्कृति में 'विपरीत' का अर्थ है 'उलटा' और 'करणी' का अर्थ है 'कार्रवाई में'। अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'दीवार के सहारे अपने पैरों को ऊपर करके लेटने से आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ हो सकता है। नर्वस सिस्टम ठीक से काम करता है, और इम्यूनिटी बढ़ती है। दीपिका ने आगे लिखा कि यह प्राचीन आसन बहुत लाभकारी है, खासकर हमारी तनावपूर्ण और व्यस्त दुनिया में यह बेहद मददगार है'।

हॉलीवुड मसाला

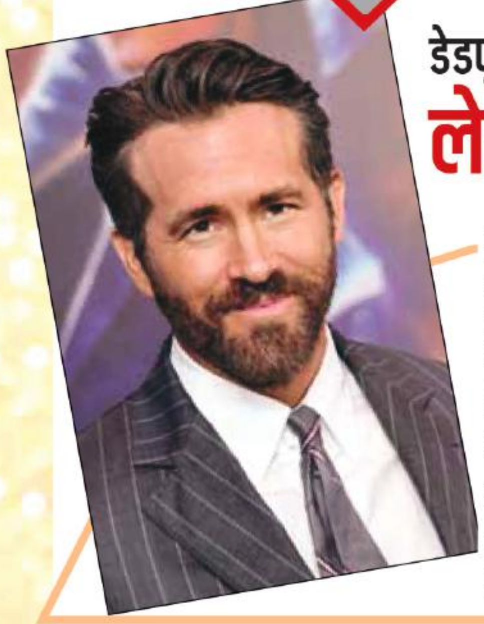

डेडपूल के किरदार को लेकर डर था

लॉस एंजिलिस। अभिनेता रयान रेनॉल्ड्स फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' में डेडपूल की अपनी भूमिका को फिर से निभाते हुए नजर आएंगे। डिज्नी और फॉक्स के विलय के कारण अभिनेता को लगा था कि वह फिर से सुपरहीरो की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। डेडपूल और वूल्वरिन 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में बताया कि उन्हें डेडपूल की ड्रेस दोबारा न पहनने का डर क्यों था। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि ऐसा किरदार एमसीयू में कैसे फिट होगा।

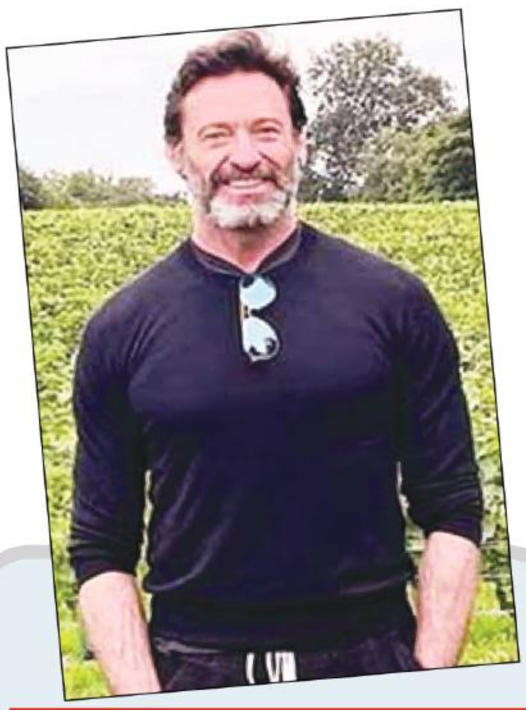

ह्यू जैकमैन ने की केविन फीगे के व्यवहार की तारीफ

लॉस एंजिलिस। ह्यू जैकमैन ने फिल्म एक्स मेन के लिए ऑडिशन दिया था। उनका वो ऑडिशन काफी खराब गया था। उन्होंने हाल में इस ऑडिशन को याद करते हुए केविन फीगे के व्यवहार की तारीफ की है। हॉलीवुड अभिनेता ह्यू जैकमैन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसमें वह रयान रेनॉल्ड्स के साथ स्क्रीन साझा करते हुए दिखाई देंगे। ह्यू जैकमैन ने कई बार स्क्रीन पर वॉल्वरिन बनकर दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। मगर अब ये कल्पना करना वाकई काफी मुश्किल होगा कि ह्यू जैकमैन मार्वल फिल्मों में वॉल्वरिन का किरदार निभाएं। हालांकि ऐसा कुछ तय नहीं हुआ था। मगर उन्होंने मार्वल स्टूडियो की फिल्म के लिए एक बार ऑडिशन दिया था।

साझा की शादी की नई झलकियां...

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की बेटी आयरा खान ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड, फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे के साथ एक भव्य समारोह में शादी कर ली है। हाल ही में. एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, आयरा ने अपनी शादी के जश्न के कुछ सबसे प्यारे पलों को साझा किया है और उन लोगों के प्रति अभार व्यक्त की जिन्होंने उनकी शादी की प्लानिंग अच्छे से की। आयरा ने इस अनुभव को दोबारा जीने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि यदि वे कभी ऐसा दोबारा करेंगे तो वे चाहेंगी कि इसमें वही लोग शामिल हों, क्योंकि उनके बिना यह अनुभव वैसा नहीं होगा। आयरा के कैप्शन में लिखा था, 'मुझे नहीं लगता कि हमारा कभी इतना ख्याल रखा गया होगा। योजना और रेकी से लेकर शादी तक। सभी कर्मचारियों ने जो देखभाल, उत्साह और रुचि दिखाई, वह दिल को छू लेने वाली थी।'

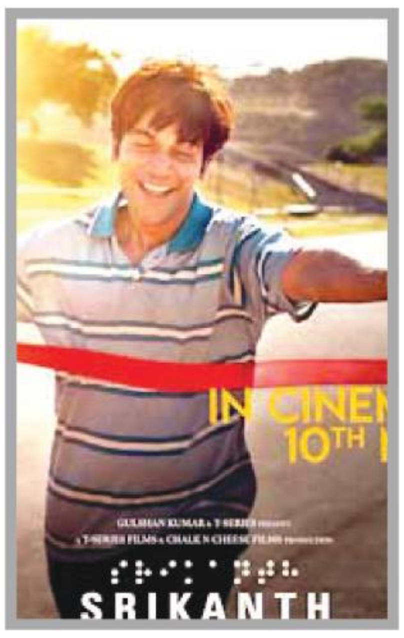

ओटीटी पर धूम मचाने को तैयार श्रीकांत

मुंबई। राजकुमार राव, अलाया एफ और ज्योतिका अभिनीत फिल्म 'श्रीकांत' ने सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही लोगों का खूब दिल जीता है। प्रशंसक दृष्टिहीन श्रीकांत बोला के रूप में राजकुमार राव की प्रशंसा कर रहे हैं। अगर दर्शक इस मास्टरपीस को सिनेमाघरों में देखने से चूक गए हैं तो अब उन दर्शकों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। फिल्म अब ओटीटी पर भी धूम मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसकी आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। सिनेमाघरों में रिलीज होने के लगभग दो महीने बाद 'श्रीकांत' अपने ओटीटी प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। नेटफ्लिक्स इस साल मई में रिलीज होने के बाद 5 जुलाई को राजकुमार राव अभिनीत फिल्म को रिलीज करेगा। बायोपिक बोलंट इंडस्ट्रीज के संस्थापक और दृष्टिबाधित उद्यमी श्रीकांत बोला की कहानी है।

टीवी मसाला

हिना खान को एकता कपूर ने बताया 'हीरो'

नई दिल्ली। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम एक्ट्रेस हिना खान ने हाल ही में खुलासा किया था कि उन्हें स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लंबा नोट शेयर कर सभी को बताया कि वह तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर का इलाज करा रही हैं। उनके बताने के बाद से ही उन्हें इंडस्ट्री में उनके दोस्तों और फैंस का भरपूर सपोर्ट मिल रहा है। हाल ही में एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने उन्हें 'फाइटर' कहा था और अब एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पर हिना खान को अपना 'हीरो' बताया है। एकता ने हिना खान के लिए पोस्ट शेयर किया और एक्ट्रेस की वीडियो लगाकर उसमें कैप्शन में उन्हें 'मेरी हीरो' कहा है। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हिना खान का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस कैंसर का पता चलने के बावजूद एक अवॉर्ड नाइट में शिरकत करती नजर आ रही हैं। एकता ने एक लिखा- 'स्टार, सुपरस्टार!!!! सच में मेरी हीरो हिना खान।' अब हिना खान ने एकता कपूर को थैंक्स बोलते हुए कहा, 'एक असली क्वीन दूसरों को हिम्मत देती है और जब से आपको पता चला है तब से आप मुझे हिम्मत दे रहे हो। जिस तरह से आप मेरा ध्यान रखते हैं उससे और मुझे ताकत मिलती है। एकता कपूर, लव यू।'

'जो मैं कर चुकी हूं, वो दोबारा नहीं करना चाहती हूं'...

नई दिल्ली। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा लाइमलाइट में बनी रहती हैं। उनकी हर एक अदा पर फैंस कायल हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर श्वेता अपने हुस्न का जलवा दिखाती रहती है। श्वेता तिवारी ने छोटे पर्दे पर एकता कपूर के सीरियल 'कसौटी जिंदगी से' शुरुआत की थी। इस शो मे एक्ट्रेस को खूब पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके बाद से श्वेता ने कई हिट सीरियल किए और उन्होंने अपनी घर-घर में पहचान बना ली। 'बिग बॉस' सीजन 4 की विनर रह चुकीं श्वेता तिवारी पिछले काफी समय से टीवी इंडस्ट्री से दूर हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया है। टेली टॉक को दिए इंटरव्यू में श्वेता ने बताया कि, 'जो मैं कर चुकी हूं, मैं वो दोबारा नहीं करना चाहती हूं। अगर आप आज टीवी देखो तो हर चीज सेम चल रही है। मैं तो अब टीवी देखना भी पसंद नहीं करती हूं, मम्मी-पापा देखते थे तब मैं भी देखती थी, लेकिन अब टीवी में पता नहीं क्या ही जादू की तरह चीजें दिखाई जा रही हैं।

अक्षय-राधिका की रोमांटिक केमिस्ट्री करवाएगी सरफिरा को हिट..!

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म सरफिरा का एक और गाना रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में आपको अक्षय कुमार और राधिका मदान की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। राधिका का महाराष्ट्रियन लुक काफी खूबसूरत लग रहा है। गाने में अक्षय राधिका को अप्रोच करते नजर आ रहे हैं। साफ है कि इनकी एक प्यारी सी लव स्टोरी फिल्म की कहानी का हिस्सा होगा। अब राधिका मदान के हाथ कितना काम लगता है ये तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही सामने आएगा। ये फिल्म 12 जुलाई को रिलीज होने वाली है गाने की बात करें तो इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और इसे श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज से सजाया है। अक्षय कुमार ने गाना अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया तो फैन्स का भी खूब प्यार मिला। ज्यादातर लोग लीड स्टार्स की केमिस्ट्री को खासा पसंद कर रहे हैं। राधिका के साथ अक्षय कुमार की पेयरिंग काफी फ्रेश लग रही है। राधिका ने भी इस तरह का रोल पहली बार ही किया है। साड़ी वाले फुल एथनिक मराठी लुक उनपर सूट कर रहा है।

वजह का अमिताभ बच्चन ने किया खुलासा

अमजद खान से कई साल तक नफरत करते रहे अभिषेक बच्चन

नई दिल्ली। 80 के दौर में अमिताभ बच्चन और अमजद खान की जोड़ी ने बड़े पर्दे पर खूब धमाल मचाया था। दोनों ने शोले, नसीब, मुकद्दर का सिकंदर, याराना सत्ते पे सत्ता, लावारिस जैसी दर्जनों हिट फिल्में दी। किसी फिल्म में अमजद खान को सपोर्टिंग हीरो, तो किसी में निगेटिव रोल भी मिला, लेकिन बचपन में अमिताभ बच्चन के बेटे अमजद खान को बुरा आदमी समझते थे और उनसे बहुत डरते भी थे। इस बात का खुलासा खुद अमिताभ बच्चन ने संजय दत्त के सामने किया। इंस्टाग्राम पर केबीसी का एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में हॉट सीट पर अमिताभ बच्चन के साथ संजय दत्त बैठे हुए हैं और अमिताभ बच्चन अपने दौर का एक किस्सा सुना रहे हैं और बता रहे हैं कि जब मेरा बेटा अभिषेक छोटा था, तो वो मेरे दोस्त अमजद खान से बहुत नफरत करता था। उसे लगता था कि वह बड़े पर्दे पर निगेटिव रोल निभाते हैं, इसलिए बुरे आदमी हैं। एक बार जब किसी पार्टी में अमजद खान और अमिताभ बच्चन एक साथ बात कर रहे थे, तो उसे देखकर अभिषेक बहुत डर गए और उन्हें लगा कि अब यहां लड़ाई-झगड़ा होने वाला है। ये किस्सा सुनकर हॉट सीट पर बैठे संजय दत्त भी हंसने लगे।

70 से 80 तक खूब चली अमजद और अमिताभ की जोड़ी

अमिताभ बच्चन और अमजद खान सबसे पहले फिल्म शोले में एक साथ नजर आए थे, यह फिल्म 1975 में रिलीज हुई थी और सुपर डुपर हिट फिल्म रही थी। इसके अलावा 1977 में वह परवरिश फिल्म में नजर आए थे। 1978 में गंगा की सौगंध, 1979 में सुहाग, खून पसीना, नसीब, मुकद्दर का सिकंदर, सत्ते पे सत्ता, याराना, कालिया, मिस्टर नटवरलाल जैसी कई फिल्मों में अमिताभ बच्चन अमजद खान के साथ काम कर चुके हैं और दोनों जिगरी यार भी रहे हैं। लेकिन उनका लुक और बड़े पर्दे पर उनका किरदार देखकर अभिषेक बच्चन उनसे डरते थे।

किसी ने झेली परिवार की नाराजगी तो किसी ने छोड़ा घर

परिवार से बगावत कर अभिनय की दुनिया में आए ये सितारे

***नई दिल्ली।** अभिनय की चकाचौंध दुनिया में कलाकार बनने का सपना लिए कई लोग आते हैं। कई लोगों ने अपनी मेहनत के दम पर और शानदार अदाकारी के साथ अभिनय की दुनिया में अपना नाम कमाया है। आज बॉलीवुड में कई सितारों के अभिनय की तारीफ होती है, लेकिन क्या आप जानते है कि इनमें से कुछ सितारों को अभिनेता या अभिनेत्री बनने के लिए परिवार की नाराजगी भी झेलनी पड़ी थी। चलिए आज हम आपको बताते हैं, उन सितारों के बारे में, जिन्होंने अभिनय में अपना करियर बनाने के लिए परिवार से बगावत तक कर ली थी।*

इरफान खान : बॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे मशहूर अभिनेताओं में से एक इरफान खान ने जब अभिनेता बनने की इच्छा जताई तो उन्हें अपने परिवार की नाराजगी का सामना करना पड़ा। जयपुर के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले इरफान ने अपने जुनून को आगे बढ़ाया और रूढ़ियों से अलग हटकर काम किया। उनके असाधारण अभिनय कौशल और दमदार फिल्मों ने उन्हें सिनेमा की दुनिया में एक सम्मानित व्यक्ति बना दिया। आज भले ही वे हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी यादें दर्शकों के दिलों में जिंदा हैं।

करिश्मा कपूर : एक प्रसिद्ध फिल्मी खानदान का हिस्सा होने के बावजूद करिश्मा कपूर को बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री प्रवेश करने के फैसले पर परिवार से विरोध मिला था। उनके पिता रणधीर कपूर का मानना था कि कपूर परिवार की किसी भी महिला ने फिल्म उद्योग में काम नहीं किया है और इसलिए वे करिश्मा के फिल्मी दुनिया में प्रवेश करने के फैसले के खिलाफ थे। अभिनेत्री ने 15 साल की छोटी उम्र से ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी।

राधिका आप्टे : राधिका आप्टे एक ऐसे परिवार से आती हैं, जहां उनके माता-पिता दोनों ही चिकित्सा पेशे का हिस्सा रहे हैं। उनका जन्म पुणे में हुआ था और उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक किया था, लेकिन प्रदर्शन कलाओं के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें फिल्म उद्योग में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया। उनके पिता राधिका के अभिनेत्री बनने के उनके फैसले के खिलाफ थे। उनके पिता ने कथित तौर पर उनसे कहा कि यह एक दिमागहीन व्यवसाय है। हालांकि, राधिका अपने फैसले पर टिकी रहीं और अब वे बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं।

कंगना रणौत : कंगना रनौत इंडस्ट्री की सबसे निडर, बोल्ड और मुखर अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब उन्होंने फिल्मों में अपना करियर शुरू किया तो उनके परिवार ने उनका विरोध किया। एक छोटे से शहर में जन्मीं कंगना का बॉलीवुड में सफर संघर्ष और विरोध से भरा रहा। उनके पिता चाहते थे कि वे डॉक्टर बनें। हालाँकि, उन्होंने फिल्म उद्योग में अपना करियर बनाने के लिए कम उम्र में ही घर छोड़ दिया। हालांकि, इससे उनके परिवार के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए थे।

महंगे प्याज, टमाटर से शाकाहारी थाली की कीमत 10 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

शाकाहारी थाली की कीमत जून में औसतन 10 प्रतिशत तक बढ़ गई। प्याज, टमाटर और आलू की कीमतों में आई तेजी इसकी प्रमुख वजह रही। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रिपोर्ट 'रोटी राइस रेट' के अनुसार, ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत में गिरावट से मांसाहारी भोजन की लागत में कमी आई है।

इसमें कहा गया कि शाकाहारी थाली की कीमत जून में 10 प्रतिशत बढ़कर 29.4 रुपये प्रति थाली हो गई, जो जून 2023 में 26.7 रुपये थी। मई 2024 में यह 27.8 रुपये थी। शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर तथा आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है।

क्रिसिल ने जून माह के लिए जारी की रिपोर्ट

उच्च तापमान से टमाटर की आवक घटी

कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में उच्च तापमान के कारण ग्रीष्मकालीन फसल में संक्रमण होने से टमाटर की आवक पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत कम हुई। रिपोर्ट में कहा गया, इसके अलावा रकबे में कमी के कारण चावल की कीमतों में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप आवक कम रही।

दालों की कीमतों में 22 फीसदी तक वृद्धि

प्रमुख खरीफ महीनों में सूखे के कारण दालों की कीमतों में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मांसाहारी थाली की कीमत जून में घटकर 58 रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसकी कीमत 60.5 रुपये थी। मई में इसकी कीमत 55.9 रुपये प्रति थाली थी। इसमें सामग्री शाकाहारी थाली के समान होती हैं, लेकिन दाल की जगह चिकन होता है।

बेमौसम बारिश से पैदावार कम

रिपोर्ट में शाकाहारी थाली की कीमत में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि को बताया गया है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, प्याज के मामले में रबी की फसल के रकबे में भारी गिरावट से आवक कम रही, जबकि मार्च में बेमौसम बारिश के कारण आलू की पैदावार कम हुई।

ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत 14 फीसदी घटी

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत में करीब 14 प्रतिशत की कमी, अधिक आपूर्ति और चारे की कम लागत के कारण मांसाहारी थाली की लागत में कमी आई है।

खबर संक्षेप

कल्याण ज्वैलर्स का पहले तिमाही राजस्व 27% बढ़ा

नई दिल्ली। कल्याण ज्वैलर्स का वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत राजस्व सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़ा। भारतीय और पश्चिम एशिया बाजारों में मजबूत प्रदर्शन इसकी मुख्य वजह रही। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकीकृत शुद्ध राजस्व 4,376 करोड़ रुपये था।

जियो 25,331 करोड़ रुपए के एजीआर के साथ शीर्ष पर

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने मार्च, 2024 तिमाही में सबसे अधिक समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) 25,330.97 करोड़ रुपये दर्ज किया है। एजीआर के आधार पर सरकार स्पेक्ट्रम और लाइसेंस शुल्क की गणना करती है। भारती एयरटेल ने मार्च, 2024 तिमाही में अपने एजीआर में सबसे तेज वृद्धि देखी।

एस्ट्राजेनेका विस्तार पर करेगी 250 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपने वैश्विक नवोन्मेषण एवं प्रौद्योगिकी केंद्र का तमिलनाडु के चेन्नई में विस्तार करने के लिए 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। वैश्विक स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने, दक्षता बढ़ाने और संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए लगभग 1,300 नौकरियां सृजित होंगी। कंपनी की विस्तारिक इकाई के

एयरटेल ने जानकारी सेंध की खबरों को खारिज किया

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों से जुड़ी जानकारी में सेंध की खबर को शुक्रवार को खारिज कर दिया। उसने कहा कि इस तरह का दावा ब्रांड की छवि को खराब करने का एक हताश प्रयास है। दूरसंचार कंपनी ने बयान में कहा, 'एक रिपोर्ट में एयरटेल के ग्राहकों से जुड़ी जानकारी में सेंध का आरोप लगाया गया है।

बनारस मर्केंटाइल का केंद्रीय बैंक ने किया लाइसेंस रद्द

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बनारस मर्केंटाइल सहकारी बैंक, वाराणसी की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के मद्देनजर उसका लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने लाइसेंस रद्द करते हुए कहा, बैंक चार जुलाई, 2024 को कारोबारी समय के बाद बैंकिंग कारोबार करना बंद कर देगा।' एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है।

डेल मोंटे फूड्स ने कपूर को किया सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। पैकेटबंद खाद्य खंड में काम करने वाली डेल मोंटे फूड्स ने बृहस्पतिवार को अभिनव कपूर को तत्काल प्रभाव से अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी के बयान के अनुसार, वह डेल मोंटे फूड्स की वरिष्ठ नेतृत्व टीम का नेतृत्व करेंगे और दीर्घकालिक कारोबारी रणनीति तैयार करेंगे, जो कि भारती एंटरप्राइजेज और डेल मोंटे पैसिफिक के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर दी जानकारी

रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया तथा यह 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में एक और उपलब्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपए था।

सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार अधिक अनुकूल व्यवस्था बनाने को प्रतिबद्ध है।

नीतियों का सफल कार्यान्वयन

रक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, " रक्षा मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार की नीतियों और पहलों के सफल कार्यान्वयन के आधार पर, 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि हासिल की है।"

देश ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में सर्वाधिक वृद्धि हासिल की

डीपीएसयू का योगदान बढ़ा

इसमें कहा गया कि 2023-24 में वार्षिक रक्षा उत्पादन करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बयान में कहा गया, सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू), रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और निजी कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में रक्षा उत्पादन का मूल्य रिकॉर्ड स्तर अर्थात 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

- मेक इन इंडिया कार्यक्रम में एक और उपलब्धि दर्ज
- वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित होगा भारत

हर साल नया कीर्तिमान स्थापित

सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों तथा रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित भारतीय उद्योग व निजी उद्योग को बधाई दी। उन्होंने कहा, " प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम हर साल नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।"

आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान

मंत्रालय ने कहा यह उपलब्धि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लाए गए नीतिगत सुधारों और पहलों तथा व्यापार सुगमता की वजह से हासिल हुई है। स्वदेशीकरण के प्रयासों को निरंतर आधार पर आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक का सबसे अधिक वीओपी हासिल हुआ है।

रक्षा निर्यात 32 फीसदी से अधिक बढ़ा

इसके अलावा बढ़ते रक्षा निर्यात ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में समग्र वृद्धि में जबरदस्त योगदान दिया है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 32.5 प्रतिशत बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया। यह गत वित्त वर्ष में 15,920 करोड़ रुपये था।

20.8 फीसदी योगदान निजी क्षेत्र का रहा

रक्षा मंत्रालय ने कहा, " 2023-24 में उत्पादन के कुल मूल्य (वीओपी) में से करीब 79.2 प्रतिशत योगदान डीपीएसयू/अन्य पीएसयू का और 20.8 प्रतिशत का योगदान निजी क्षेत्र का रहा।आंकड़े दर्शाते हैं कि निरपेक्ष मूल्य के संदर्भ में डीपीएसयू/पीएसयू तथा निजी क्षेत्र दोनों ने रक्षा उत्पादन में स्थिर वृद्धि दर्ज की है।

स्टार्टअप से एंजल कर हटाने की सिफारिश

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने केंद्रीय बजट आने से पहले स्टार्टअप कंपनियों पर से एंजल कर हटाने की सिफारिश की है। लेकिन इस पर वित्त मंत्रालय अंतिम निर्णय करेगा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह बात कही है।

आयकर विभाग ने पिछले साल सितंबर में नए एंजल कर नियमों को अधिसूचित किया था जिसमें निवेशकों को गैर-सूचीबद्ध स्टार्टअप की तरफ से जारी शेयरों का मूल्यांकन करने की एक व्यवस्था भी शामिल है।

उचित बाजार मूल्य से ऊपर किसी स्टार्टअप के शेयरों की बिक्री से हासिल पूंजी पर लगने वाले कर को एंजल कर कहा जाता है। पहले एंजल कर केवल स्थानीय निवेशकों पर लागू होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष के बजट ने विदेशी निवेश को शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ा दिया था।

- डीपीआईआईटी के सचिव ने दी जानकारी
- वित्त मंत्रालय का अंतिम निर्णय आना बाकी

डीपीआईआईटी के सचिव राजेश कुमार सिंह ने यहां एंजल कर हटाने की उद्योग की मांग से संबंधित एक सवाल पर कहा, 'स्टार्टअप परिवेश के साथ परामर्श के आधार पर हमने पहले भी इसकी सिफारिश की है और मुझे लगता है कि हमने इस बार भी इसकी सिफारिश की है, लेकिन अंततः वित्त मंत्रालय इस पर एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाएगा।' , अतिरिक्त प्रीमियम को 'स्रोतों से आय' माना जाएगा।

टेस्ला की ओर से अभी कोई संकेत नहीं

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार (ईवी) कंपनी टेस्ला के भारत आने से संबंधित सवाल पर सिंह ने कहा, 'हमने उनसे आखिरी बार आम चुनाव के नतीजों की घोषणा वाले सप्ताह में सुना था। भारी उद्योग मंत्रालय की तरफ से ईवी के लिए जारी दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। मुझे लगता है कि उनके पास और सवाल हो सकते हैं।'

निफ्टी का नया रिकॉर्ड पर सेंसेक्स फिसला

एजेंसी ▸▸ मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी शुक्रवार को लगातार तीसरे सत्र में नए शिखर पर बंद हुआ लेकिन रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर रहा बीएसई सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 80,000 के स्तर से नीचे आ गया।

बाजार में कारोबार उतार-चढाव से भरा रहा। सत्र के अधिकांश हिस्से में बाजार खासे नुकसान में था लेकिन अंतिम घंटे की लिवाली आने से स्थिति थोड़ी बेहतर हो गई। कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 53.07 अंक गिरकर 79,996.60 पर बंद हुआ। हालांकि निफ्टी 21.70 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,323.85 के अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स ने इस सप्ताह कुल 963.87 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की उछाल दर्ज की। निफ्टी भी कुल 313.25 अंकों की तेजी हासिल करने में सफल रहा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'निफ्टी दिन भर नकारात्मक दायरे में रहा। लेकिन सत्र के आखिरी आधे घंटे में आई तेजी से यह हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।'

- बीएसई सूचकांक 80 हजार के स्तर से नीचे आया
- कारोबार के अंतिम घंटों में बाजार में तेजी आई

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स के समूह में शामिल शेयरों में से भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

सेल 6,500 करोड़ रुपए का करेगी पूंजीगत व्यय

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में 6,500 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय करेगी। उन्होंने कहा कि यह अगले कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना का हिस्सा है।

भारतीय इस्पात संघ द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रकाश ने कहा कि इस्पात उद्योग ने सरकार से चीन द्वारा भारत में सस्ती धातु की 'डंपिंग' को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की मांग की है और उम्मीद जतायी कि इस समस्या से निपटने के लिए उपाए किए जाएंगे। चेयरमैन ने कहा, 'इस वर्ष पूंजीगत व्यय का लक्ष्य 6,500 करोड़ रुपये है। हम अपनी सुविधाओं के रखरखाव के साथ-साथ बाधाओं को दूर करने के लिए नियमित पूंजीगत व्यय भी करते हैं। अधिकतर हिस्सा (2030 तक एक लाख करोड़ रुपये) वित्त वर्ष 2025-26 से शुरू होगा।' अगले तीन से चार वर्षों में नई परियोजनाओं तथा पुरानी परियोजनाओं के विस्तार के लिए अपने संयंत्रों में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना के बारे में पहले ही सूचित किया था।

- सेल के चेयरमैन अमरेंदु ने दी जानकारी
- कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए निवेश की योजना

डंपिंग रोधी शुल्क अगले पांच साल के लिए बढ़ा

खबरों के अनुसार, पिछले वर्ष भारत ने कुछ चीनी इस्पात पर 'डंपिंग' रोधी शुल्क को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। किसी देश के सस्ते आयात से घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचने पर 'डंपिंग' रोधी शुल्क लगाया जाता है।

पेरिस के गैलरीज लाफायेट में यूपीआई भुगतान शुरू

लंदन/पेरिस। भारत ने प्रतिष्ठित एफिल टावर में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की सफल शुरुआत के बाद पेरिस के ऐतिहासिक डिपार्टमेंटल स्टोर गैलरीज लाफायेट में भी इसे शुरू किया है। यह महत्वपूर्ण कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यूपीआई का वैश्वीकरण करने के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में है। यूपीआई 2016 में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा विकसित एक भारतीय त्वरित भुगतान प्रणाली है। बयान में कहा, 'यूपीआई पेरिस के हॉसमैन में विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट के प्रमुख स्टोर पर तीन जुलाई, 2024 को शुरू हो गया। प्रतिष्ठित एफिल टावर पर सफल शुरुआत के बाद यह पेरिस में यूपीआई की स्वीकार्यता का विस्तार करता है।'

विदेशी मुद्रा भंडार 1.71 अरब डॉलर घटा

एजेंसी ▸▸ मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जून को समाप्त सप्ताह में 1.71 अरब डॉलर घटकर 651.99 अरब डॉलर रहा। पिछले सप्ताह, कुल मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। इस साल सात जून को भंडार 655.82 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। 28 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.25 अरब डॉलर घटकर 572.88 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

- समाप्त सप्ताह में घटकर 651.99 अरब डॉलर पर
- विदेशी मुद्रा आस्तियों में भी गिरावट

आईएमएफ में आरक्षित जमा बढ़ा

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.01 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 10 लाख डॉलर बढ़कर 4.57 अरब डॉलर रहा।

कोयले ने मई में दर्ज की 10.2 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के सभी आठ प्रमुख उद्योगों में कोयला क्षेत्र ने मई में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। सरकार ने कोयला उद्योग का सूचकांक मई माह के दौरान 184.7 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी माह के दौरान यह 167.6 अंक था। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा, 'वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आईसीआई) (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, मई 2024 के महीने के लिए आठ प्रमुख उद्योगों में बिजली उद्योग के बाद कोयला क्षेत्र ने 10.2 प्रतिशत (अस्थायी) की सबसे अधिक वृद्धि प्रदर्शित की है।' वृद्धि के पीछे मुख्य वजह कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी को माना जा सकता है। उत्पादन में यह वृद्धि ऊर्जा और विनिर्माण उद्योगों की बढ़ती मांग को पूरा करने की क्षेत्र की क्षमता बताती है।

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक ने कहा, महिलाओं की कम भागीदारी

केवल सात फीसदी ऋण महिला उद्यमियों को मिला

एजेंसी ▸▸ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कार्यकारी निदेशक नीरज निगम ने शुक्रवार को कहा कि श्रमबल में महिलाओं की कम भागीदारी वित्तीय समावेशन के प्रयासों और व्यापक आर्थिक वृद्धि में एक बड़ी बाधा है।

निगम ने कहा कि महिलाओं को अधिक कर्ज देने की भी जरूरत है। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को दिए जाने वाले कुल ऋणों में से केवल सात प्रतिशत ही महिलाओं की अगुवाई वाले उद्यमों को आवंटित किया गया।

- एमएसएमई से महिलाओं को अधिक कर्ज देने की जरूरत

श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी 32.8 फीसदी : निगम ने कहा, ''वित्तीय समावेशन और आर्थिक वृद्धि तथा विकास की राह में आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की अधिक भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी 32.8 प्रतिशत और पुरुषों की 77 प्रतिशत से अधिक थी।

रूढ़िवादी सोच अपनाई जाती है

निगम ने कहा कि आपूर्ति संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के बाद मांग पक्ष के कुछ मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। इसमें पूंजी का निम्न स्तर, श्रम भागीदारी, सामाजिक मानदंड जैसे संरचनात्मक मुद्दे शामिल हैं। निगम ने कहा कि वित्तपोषकों द्वारा महिला उधारकर्ताओं को लेकर कुछ 'रूढ़िवादी सोच' भी अपनाई जाती है।

पीएम जन-धन योजना से मदद मिली : आरबीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने नीति आयोग और ट्रांसयूनियन सिबिल की तरफ से आयोजित 'वित्तपोषण महिला सहयोग' सम्मेलन में वित्तीय सेवाओं तक पहुंच पर संतोष जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) जैसी पहलों से इसमें मदद मिली है।

उद्यमों में महिलाओं की हिस्सेदारी काफी कम

कार्यकारी निदेशक ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल सात प्रतिशत है। यह अनुपात एमएसएमई में करीब पांचवां हिस्सा महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का होने की तुलना में बहुत कम है।

महिलाओं को कर्ज जोखिम वाला समझा जाता है

महिलाओं को कर्ज अधिक जोखिम वाला समझा जाता है लिहाजा ब्याज दरें बढ़ जाती हैं। ऐसे में गिरवी रखकर कर्ज देने या कर्ज आवेदनों को सिरे से नकार देने की प्रवृत्ति देखी जाती है। उन्होंने कहा कि कई चुनौतियों को कम करने के बाद आरबीआई ने वित्तीय समावेशन पर पहल शुरू की है।

सोना 200 रुपए मजबूत, चांदी में 350 रुपए की तेजी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोना 200 रुपये की तेजी के साथ 73,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा चांदी की कीमत भी 350 रुपये बढ़कर 93,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 93,050 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

मोदी सरकार बहुत कमजोर, अगस्त तक ही चलेगी

राष्ट्रीय जनता दल के स्थापना दिवस पर लालू का दावा

एजेंसी ▶▶ पटना

शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल का 28वां स्थापना दिवस था। राजद कार्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव समेत कई वरीय नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने लालू और तेजस्वी यादव का भव्य स्वागत किया।

दोनों को चांदी का मुकुट पहनाया गया। इस दौरान लालू प्रसाद ने कहा कि हम लोगों ने पिछले 27 सालों में काफी उतार चढ़ाव देखे हैं। राजद मजबूत हुआ है। तेजस्वी के नेतृत्व में आगे की लड़ाई को लड़ेंगे। केंद्र सरकार पर हमला कर कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बहुत कमजोर है। इस साल अगस्त तक ही यह सरकार चलेगी। मैं पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से तैयार रहने की अपील करता हूं, क्योंकि चुनाव कभी भी हो सकते हैं।

पुल टूटने की घटना पर आरोप-प्रत्यारोप तेज

भाजपा ने 75 प्रतिशत आरक्षण को रोकने साजिश रची तेजस्वी बोले

तेजस्वी यादव ने लालूके बयान पर सहमति जताते हुए कहा कि केंद्र की सरकार 5साल नहीं चलेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार 2024 में या 2025 में विधानसभा चुनाव कराए, राजद ही सरकार बनाएगी। थोड़ा और मेहनत करते तो ज़्यादा सीट जीतते। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि हम लोगों को 10 से 12 सीटों पर गलती करके राजद को हराया गया। भाजपा संविधान और आरक्षण विरोधी पार्टी है। जाति आधारित गणना और 75 प्रतिशत आरक्षण सीमा बढ़ाया। भाजपा सत्ता में आते ही 75 प्रतिशत आरक्षण को रोकने साजिश रची। तेजस्वी ने कहा कि 5 लाख नौकरियां देने का काम किया। 3 लाख नौकरी का प्रावधान फाइल भी बढ़ा दिया था।

...तब तेजस्वी ही सड़क निर्माण और भवन निर्माण मंत्री थेः चौधरी

इसमामले को लेकर जेडीयू के भवन निर्माण मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने तेजस्वी प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा है कि जब वे बिहार में सड़क निर्माण और भवन निर्माण मंत्री थे, तब उन्होंने पुल का किसी भी तरह से कोई रखरखाव नहीं किया।

सरकार में रहते तेजस्वी काम कर रहे थे या मौज ललन सिंह ने पूछा

जेडीयू नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने पुल गिरने की घटना को लेकर तेजस्वी पर निशाना साधा। ललन सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव डेढ़ साल तक ग्रामीण विकास मंत्री रहे हैं। तेजस्वी काम कर रहे थे कि मजा कर रहे थे, यह उन्हें बताना चाहिए।

18 बनाम 18, चिराग की दो टूक
तेजस्वी के कार्यकाल में बने थे पुल

बिहार में पिछले 15 दिनों में ही 11 पुल ढह गए हैं। राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम रहे तेजस्वी को भरोसा दिलाया है कि दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा। वे जो लोग ये कह रहे हैं कि एनडीए सरकार लूटने में लगी है। उनसे पूछना चाहूंगा कि ये निर्माण कार्य किसके समय में हुआ? निर्माण उसी समय हुआ है जब ये भी सरकार में थे।

खबर संक्षेप

संजय को आप ने बनाया संसदीय दल का अध्यक्ष

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को पार्टी के संसदीय दल का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने मुझे हमेशा सड़क से संसद तक अपनी आवाज उठाने का मौका दिया है। मैं पार्टी के संसदीय समूह के अध्यक्ष की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। मैं आप का बहुत आभारी हूं।

टॉयलेट साफ करो नहीं तो फेल कर दूंगीः प्रोफेसर

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की एक महिला प्रोफेसर छात्रों को कम नंबर देने की धमकी देकर उनसे अपना घरेलू काम कराती थी। यहां तक कि प्रोफेसर छात्रों से टॉयलेट भी साफ कराती थी। इसका एक वीडियो भी सामने आया था। अब महिला प्रोफेसर को निलंबित कर दिया गया है।

लाश से जेवरात चुराने में दारोगा-चौकी इंचार्ज दोषी

कानपुर। यूपी के कानपुर में एक पुलिस इंस्पेक्टर महिला की मौत के बाद उसके शव से सोने के गहने चुराने के मामले में दोषी पाया गया है। इंस्पेक्टर के साथ चौकी इंचार्ज और अन्य पुलिसकर्मी भी इस घटना में दोषी पाए गए हैं। यहां के नजीराबाद थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी कौशलेंद्र प्रताप सिंह, चौकी इंचार्ज रवि कुमार व अन्य पुलिस कर्मियों को दोषी माना गया है।

नोएडा के लॉजिक्स मॉल में आग से हड़कंप

नोएडा। नोएडा के लॉजिक्स मॉल में आग लगने की खबर है।पूरे मॉल को खाली कराया गया है। आग की सूचना दमकल विभाग को दी गई। मौके पर दमकलकर्मी पहुंचे हैं और राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया है।अग्निशमन विभाग की 6 से अधिक गाड़ियां मौके पर है। मॉल में धुआं भर गया है, जिसे निकाला जा रहा है।किसी के हताहत होने की अभी तक कोई सूचना नहीं है।

कुए में शख्स को निकालने उतरे 4 लोगों की भी मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के एक गांव में उस वक्त मातम छह गया, जब गांव के ही कुएं में 5 लोगों की मौत हो गई। कुएं में गिरी लकड़ी को निकालने के लिए एक व्यक्ति कुएं में उतर गया। कुएं से निकल रही जहरीली गैस से उसकी मौत हो गई। उसे बचाने के लिए पड़ोस में रह रहे 4 लोग उतरे। वहां जहरीली गैस की वजह से उनकी भी मौत हो गई।

हाथरस हादसे पर फरार बाबा के वकील ने किया खुलासा

मुख्य आरोपी मधुकर दिल का मरीज और वह करा रहा इलाज

साकार हरि के वकील सिंह ने दी जानकारी

एजेंसी ▶▶ हाथरस

उत्तर प्रदेश के हाथरस के सिकंदराराऊ में भोले बाबा के सत्संग पर भगदड़ मच गई। इसमें 121 लोगों की जान चली गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। इसका मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर है।

यह अभी फरार चल रहा है। इस पर पुलिस ने एक लाख का इनाम घोषित किया है। मामले में साकार हरि ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एपी सिंह को नियुक्त किया है। अधिवक्ता ने कहा कि मुझे एफआईआर की कॉपी मिल गई है। मुझे जांच एजेंसियों पर पूरा भरोसा है। मुख्य आरोपी अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने कहा कि मधुकर दिल का मरीज है। इस घटना से उनके परिवार के एक सदस्य की मौत भी हो गई है। जब उसकी हालत में सुधार होगा, हम उसे पुलिस और एसआईटी के सामने पेश करेंगे। मधुकर का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है। हम न तो कोई अदालती कार्यवाही शुरू करने जा रहे हैं और न ही कुछ करने जा रहे हैं।

हालत सुधरते ही पुलिस और एसआईटी के सामने पेश करेंगे

आरोपी पर एक लाख का इनाम

आधी रात आश्रम पहुंची पुलिस, साथ में ले गई दो गाड़ियां

जिस आश्रम में नारायण साकार हरि के रुकने की चर्चा है। वहां गुरुवार की आधी रात पुलिस की कुछ गाड़ियां आश्रम पहुंचीं। ये गाड़ियां रात 1 बजे निकलीं। लपुलिस आश्रम से भी दो गाड़ियां साथ ले गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम, साकार विश्व हरि को भी अपने साथ ले गई है। हालांकि पुलिस अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। रात करीब 10 बजे बाबा के अधिवक्ता सिंह ने पत्रकारों से वार्ता की थी।

फिलहाल, पुलिस कुछ कहने से बच रही

लगभग एक घंटे तक अंदर रहने के बाद एक बजे के आस पास ये गाड़ियां आश्रम से बाहर निकलीं। लौटते समय आश्रम में खड़ी दो गाड़ियां भी टीम अपने साथ ले गई। इन गाड़ियों में कौन था, ये किसी को पता नहीं है। चर्चा है कि आश्रम से गई गाड़ियों में साकार विश्व हरि भी आश्रम से चले गए। हालांकि इसकी पुष्टि अभी पुलिस भी नहीं कर रही है। कुछ लोगों का कहना है कि एसटीएफ आगरा की टीम आश्रम में आई थी। कुछ लोग एसआईटी आने की बात कह रहे हैं।

एसआईटी ने सौंपी हादसे की जांच रिपोर्ट
डीएम-एसएसपी सहित 100 लोगों के लिए बयान

लखनऊ। अब इस मामले में एसआईटी ने शासन को जांच रिपोर्ट सौंप दी है। सीएम ने 24 घंटे में ही जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया था, लेकिन राहत और बचाव कार्य के अलावा सीएम के हाथरस दौरे की वजह से एसआईटी ने अतिरिक्त समय की मांग की थी। वहीं अब एसआईटी ने शुक्रवार को जांच रिपोर्ट सौंपी है। एडीजी आगरा व अलीगढ़ कमिश्नर के नेतृत्व में इस हादसे की जांच की जा रही है। डीएम-एसएसपी सहित 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ व मंडलायुक्त चैत्रा वी को एसआईटी का जिम्मा देते हुए 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की गई।

एसआईटी ने बताई हादसे की वजह

एसआईटी ने आयोजकों की बड़ी लापरवाही को हादसे का कारण बताया है। इसमें प्रॉपर इंतजाम न करना और हादसे के बाद भी उसको छिपाने जैसी बातों का जिक्र किया गया है।अधिकारियों ने जांच के लिए तीन दिन का अतिरिक्त समय मांगा था।

पीड़ितों के घर पहुंचे राहुल
गले लगाकर दी सांत्वना, मुआवजा दे सरकार

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को हाथरस की भगदड़ में जान गंवाने वाले पीड़ितों के घर पहुंचे। यहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। वो हाथरस में नवीपुर खुर्द, विभव नगर स्थित ग्रीन पार्क पहुंचे। आशा देवी, मुन्नी देवी आ ओमवती के परिवार वालों से मिले। राहुल ने कहा कि यह दुखद हादसा है। काफी लोगों की मृत्यु हुई है। प्रशासन की कमी तो है और भी गलतियां हुई हैं। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से विनती करता हूं कि दिल खोलकर मुआवजा दें।

संसद में भी उठाएंगे मुद्दा

इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि घटना काफी दुखद है। वह इस मामले को संसद में उठाएंगे। मांग करेंगे कि मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा व न्याय मिले। इस मामले में जो भी दोषी हो, उसे हर हाल में सजा मिलनी चाहिए।

लुधियाना में कातिलाना हमला

संदीप जान की भीख मांगते रहे और 'निहंग' काटते रहे

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। लुधियाना शिवसेना पंजाब के नेता संदीप थापर गोरा पर सिविल अस्पताल के बाहर कातिलाना हमला किया गया। उन पर हमला करने वाले निहंग बताए जा रहे हैं।

दरअसल, हमलावर निहंगों के वेश में आए 4 लोगों ने तेज धार वाले हथियारों से गोरा पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में उनको अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के वक्त संदीप थापर गोरा गनमैन के साथ सिविल अस्पताल में चलने वाले संवेदना ट्रस्ट के प्रधान रविंदर अरोड़ा की पुण्यतिथि समागम में शामिल होने गए थे। उसी दौरान उन पर यह हमला किया गया।

समागम में माथा टेकने के बाद किया 'गंभीर'

हादसे से कुछ ही समय पहले शिवसेना नेता समागम में माथा टेकने के बाद बाहर निकले थे। इतने में निहंग के वेश में आए चार युवकों ने उन पर तेजधार हथियार से वार कर दिया। गोरा को लहुलुहान हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया। उनकी हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तलवार से जमीन पर गिरने तक किया वार

जब एक का मन भर गया तो दूसरे ने उन पर तलवार से तब तक वार किया, जब तक उनका स्कूटर जमीन पर नहीं गिर गया। इतने से भी आरोपियों का मन नहीं भरा। वे लगातार शिवसेना नेता पर हमला करते रहे और फिर उनकी स्कूटी पर बैठकर दो आरोपी फरार हो गए। हैरानी की बात ये है कि सड़क पर मौजूद लोग तमाशबीन बने देखते रहे।

बिट्टू बोले- इतना दर्दनाक सीन

रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शिवसेना नेता संदीप थापर पर हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में गुंडागर्दी का राज है और कानून व्यवस्था की स्थिति बुरी तरह बिगड़ चुकी है। अब तक इतना दर्दनाक सीन नहीं देखा।

दिल्ली हाई कोर्ट 17 को करेगी सुनवाई

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सीबीआई को दिया नोटिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले मामले में दाय जमानत याचिक पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई को नोटिस जारी किया है।

हाईकोर्ट में केजरीवाल के वकील अभिषेक सिंघवी ने कोर्ट में दलील दी कि केजरीवाल कोई आतंकवादी नहीं हैं, आम आदमी पार्टी के प्रमुख के भागने का खतरा नहीं है। उन्होंने कहा ईडी द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत

केजरीवाल को मिलने के बाद सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने आदेश में कहा नोटिस स्वीकार कर लिया गया है। याचिकाकर्ता ने सीधे उच्च न्यायालय से संपर्क किया है, बहस के समय इस विवाद पर विचार किया जाएगा।

प्रभु की रथ यात्रा कल निकलेगी

भगवान जगन्नाथ 15 दिन के एकांत के बाद आज आएंगे बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ 15 दिन के एकांतवास के बाद शनिवार को बाहर आएंगे।

शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नेत्रदान होगा। फिर भगवान दर्शन देंगे। दर्शन के लिए दोपहर 2 बजे से भक्तों की भीड़ जुटने लगेगी। शाम 4 बजे नेत्रदान अनुष्ठान शुरू होगा। फिर 108 दीपों से मंगलआरती, जगन्नाथ अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाठ और भगवान की स्तुति की जाएगी।

भगवान को मालपुआ सहित अन्य मिष्ठानों का भोग लगेगा। शनिवार को भगवान रात 9 बजे तक दर्शन मंडप में दर्शन देंगे और यहीं रात्रि विश्राम करेंगे। 7 जुलाई को प्रभु की रथ यात्रा निकाली जाएगी। दोपहर 2 बजे सभी विग्रहों को बारी-बारी से रथारूढ़ किया जाएगा।

सीएम स्टालिन के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में दलील

शराब पीड़ित स्वतंत्रता सेनानी नहीं, 10 लाख मुआवजा न दें

एजेंसी ▶▶ कल्लाकुरिची

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में पिछले महीने जहरीली शराब पीने से करीब 56 लोगों की मौत हो गई थी। पूरे राज्य में इस त्रासदी को लेकर हाहाकार मच गया था। इस पर भाजपा ने हंगामा भी किया था।

बिगड़ते हालात को देखते हुए सीएम एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रऔर अस्पताल में भर्ती लोगों को 50 हजार का मुआवजा देने का ऐलान किया था। अब इस मुआवजे के आदेश को रद्द कराने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

कल्लाकुरिची में अवैध शराब से 56 लोगों की मौत

अवैध शराब पीना गलत

गौस ने याचिका में कहा कि पीड़ित स्वतंत्रता सेनानी या सामाजिक कार्यकर्ता नहीं थे, जिन्होंने आम जनता या समाज के लिए अपनी जान गंवाई हो और जिन्होंने जहरीली शराब पीकर एक तरीके से गलत काम ही किया है। अवैध शराब पीना गलत ही था। जहरीली शराब के शिकार लोगों को सिर्फ सांत्वना देनी जानी चाहिए। जिन्होंने अपनी खुशी के लिए गैरकानूनी काम किया है, उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए।

11 नदियां और इनकी सहायक पूर्वोत्तर में मचा रहीं तबाही!

उनका बढ़ता जलस्तर होता जा रहा खतरनाक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीते कुछ दिनों से पूर्वोत्तर के अलग-अलग राज्यों में बारिश और बाढ़ से तबाही मची है। यहां के अलग-अलग हिस्सों में बहने वाली प्रमुख और अन्य सहायक नदियों का जलस्तर हर घंटे बढ़ता जा रहा है।

केंद्र सरकार को भेजी रिपोर्ट के मुताबिक वहां की 11 नदियां ऐसी हैं, जिसमें जलस्तर न सिर्फ खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है बल्कि बढ़ रहे पानी से स्थिति बेहद नाजुक भी बताई जा रही है। केंद्र ने इन हालातों से निपटने के लिए एनडीआरएफ समेत अन्य एजेंसियों को अलर्ट कर मौके पर भी भेजा है।

पूर्वोत्तर के अलग-अलग राज्यों में बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नदियों में बाढ़ के हालात

लगातार बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त होता जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बीते 48 घंटे के भीतर ब्रह्मपुत्र, सुबनसिरी, ढलेश्वरी, कटाखल नदी, बारक, बरडेहिंग नदी, कुशियारा, दिखोव नदी, धनसीरी नदी, देसंग नदी, कोपिली समेत बिहार के अररिया से होकर बहने वाली परमन नदी में लगातार जलस्तर बढ़ता जा रहा है।

ब्रह्मपुत्र, बरदेही ने असम में बढ़ाई आफत

असम के मारीगांव जिले के पोलगुरी इलाके में लगातार बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इस इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर अपने खतरनाक लेवल से तकरीबन 1 मीटर ऊपर आ चुका है। डिब्रूगढ़ में भी बाढ़ से हालत बदतर हो चुके हैं। यहां पर भी पहले वाली बरदेही नदी का जलस्तर अपने खतरनाक लेवल से ऊपर बह रहा है।

अन्य नदियां भी खतरनाक लेवल को पार कर चुकीं, सेना तैनात

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक असम के धुबरी जिले में ब्रह्मपुत्र नदी लगातार खतरनाक स्तर पर बह रही है। दुबई में ब्रह्मपुत्र अपने खतरनाक स्तर से एक मीटर से ऊपर बढ़ रही है। लखीमपुर में बहने वाली सुबनसिरी नदी बदातीघाट में तबाही मचा रही है। हैलाकंदी जिले के घरमुरा इलाके में ढलेश्वरी नदी की वजह से हालात बेकाबू हो गए हैं। यह खतरनाक लेवल से तकरीबन 4 मीटर ऊपर बह रहा है। मातीजुरी इलाके में भी बहने वाली कटाखल नदी अपने खतरनाक स्तर से तकरीबन 2 मीटर ऊपर बह रही है। अधिकारियों का कहना है कि संबंधित अधिकारी और एनडीआरएफ समेत अन्य एजेंसियों को मौके पर तैनात किया गया है।

हाईकोर्ट ने की अहम टिप्पणी

सरोगेसी के जरिए मां बनने वाली महिलाओं को मिले लीव

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

उड़ीसा हाई कोर्ट ने हाल में व्यवस्था दी है कि किराए की कोख (सरोगेसी) के जरिए मां बनने वाली महिला कर्मचारियों को वैसे ही मैटरनिटी लीव एवं अन्य लाभ पाने का अधिकार है जो प्राकृतिक रूप से बच्चे को जन्म देने वाली या बच्चा गोद लेकर मां बनने वाली महिलाओं को मिला है।

जस्टिस एस के पाणिग्रही की सिंगल बेंच ने 25 जून को ओडिशा फाइमेंस सर्विस की महिला अधिकारी सुप्रिया जेना की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह

व्यवस्था दी है।याचिकाकर्ता ने 2020 में इसे लेकर याचिका दायर की थी। जेना सरोगेसी के जरिए मां बनीं लेकिन उन्हें ओडिशा सरकार में उनके बड़े अफसरों ने 180 दिन की मैटरनिटी लीव देने से मना कर दिया। इसलिए उन्होंने सरकार के विरुद्ध हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)